दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो सत्ता, पद या प्रशंसा के शोर में सच सुनने की क्षमता खो देता है, वह सबसे पहले अपने ही विवेक से हार जाता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-45 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 4 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'सत्ता की रेवड़ियां या सुशासन की कसौटी?–नियुक्तियों के नाम पर भाजपा की अग्निपरीक्षा '

राजस्थान में भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने के बाद सत्ता के गलियारों में जिस तरह की हलचल तेज हुई है, उसने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या शासन का उद्देश्य जनसेवा है या संगठन को साधने की रणनीति। विभिन्न आयोगों, नगर पालिकाओं, नगर निगमों, महानगरों और स्वायत्त संस्थाओं में लंबे समय से रिक्त पड़े दस हजार से अधिक पद अब अचानक सरकार की प्राथमिकता बनते दिखाई दे रहे हैं। यह संयोग नहीं, बल्कि सत्ता-संतुलन का वह गणित है, जिसमें 'नियुक्ति' अब योग्यता का नहीं, बल्कि राजनीतिक संतुष्टि का औजार बनती प्रतीत हो रही है। यह मैं बोलूंगा तो फिर कहोगी कि बोलता है।

सूत्रों की मानें तो भाजपा और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं को साधने के लिए इन पदों को 'रेवड़ी' की तरह बांटने की तैयारी चल रही है। चुनाव जीतने वाले और हारने वाले–दोनों ही खेमों में असंतोष की चिंगारी सुलग रही है। जो नेता टिकट पाकर चुनाव हार गए, वे खुद को संगठन के प्रति निष्ठावान बताकर किसी न किसी बोर्ड, आयोग या निगम में एडजस्टमेंट की उम्मीद लगाए बैठे हैं। वहीं जो विधायक जीत तो गए, लेकिन न मंत्रिमंडल में स्थान मिला और न ही किसी अहम दायित्व से नवाजे गए, वे भी खामोशी से नाराज़गी दर्ज करा रहे हैं। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती सिर्फ नियुक्तियां करना नहीं, बल्कि भीतर ही भीतर बढ़ते असंतोष को संभालना भी है। यहीं से सवाल उठता है–क्या ये नियुक्तियां वास्तव में प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए होंगी या केवल राजनीतिक बंदरबांट का नया अध्याय लिखेंगी? अनुभव बताता है कि जब भी सत्ता में बैठी सरकारें संगठन को खुश करने के लिए पद बांटती हैं, तो योग्यता, ईमानदारी और कार्यकुशलता सबसे पहले बलि चढ़ती हैं। आयोग और निगम फिर जनहित के मंच न रहकर राजनीतिक विश्रामगृह बन जाते हैं, जहां पदधारी अपना कार्यकाल सिर्फ फाइलों पर हस्ताक्षर करने और सरकारी सुविधाओं का उपभोग करने में पूरा कर देते हैं। भाजपा ने हमेशा 'पार्टी विद डिफरेंस' और 'सुशासन' का दावा किया है। लेकिन आज वही पार्टी एक ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहां निर्णयों की कसौटी विचारधारा नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन बनती जा रही है। यदि नियुक्तियों में वही पुराने चेहरे, वही चुनावी गणित और वही जातीय-संगठनात्मक समीकरण हावी रहे, तो यह सरकार भी पूर्ववर्ती सरकारों की उसी परंपरा को आगे बढ़ाती नजर आएगी, जिसकी वह आलोचना करती आई है।

छूटभैया नेताओं की जोड़-तोड़, सिफारिशों का बाजार और 'अपनों' को एडजस्ट करने की होड़ ने इस पूरी प्रक्रिया को और संदिग्ध बना दिया है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि कई ऐसे नाम सामने आ रहे हैं, जिनका न तो संबंधित क्षेत्र में कोई अनुभव है और न ही जनसेवा का कोई ठोस रिकॉर्ड। केवल पार्टी की झंडाबरदारी या चुनावी नारेबाजी के आधार पर यदि उन्हें जिम्मेदार पद सौंपे गए, तो इसका खामियाजा अंततः जनता को ही भुगतना पड़ेगा।

राज्य के नगर निगम, नगर पालिकाएं और स्वायत्त संस्थाएं पहले ही संसाधनों की कमी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक जड़ता से जूझ रही हैं। ऐसे में अयोग्य और असंवेदनशील नियुक्तियां इन संस्थाओं को और कमजोर करेंगी। यह विडंबना ही होगी कि जिन संस्थाओं को स्थानीय विकास और जनसुविधाओं की रीढ़ बनना था, वे राजनीतिक संतुलन साधने के अखाड़े बनकर रह जाएं। यह भी विचारणीय है कि क्या सरकार इन नियुक्तियों के जरिए संगठन को खुश कर पाएगी या असंतोष का दायरा और बढ़ेगा। अनुभव बताता है कि रेवड़ियों की राजनीति कभी स्थायी संतुष्टि नहीं देती। जिसे पद मिलेगा, वह खुश होगा; जिसे नहीं मिलेगा, वह और अधिक नाराज़। इस अंतहीन प्रक्रिया में सरकार की ऊर्जा शासन के बजाय समायोजन में खर्च होती चली जाती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार नियुक्तियों को पारदर्शी, योग्यता-आधारित और जवाबदेह बनाए। यदि सचमुच सुशासन का दावा करना है, तो हर पद के लिए स्पष्ट मापदंड तय हों–शैक्षणिक योग्यता, प्रशासनिक अनुभव, सामाजिक सरोकार और ईमानदारी। राजनीतिक निष्ठा को एकमात्र आधार बनाकर दी गई जिम्मेदारियां न केवल संस्थाओं को खोखला करती हैं, बल्कि लोकतंत्र में जनता के विश्वास को भी कमजोर करती हैं। भाजपा के सामने यह एक निर्णायक क्षण है। या तो वह नियुक्तियों को 'राजनीतिक रेवड़ी' बनाकर अल्पकालिक संतुलन साधे, या फिर इन्हें प्रशासनिक सुधार का माध्यम बनाकर एक नई मिसाल कायम करे। यह फैसला केवल पार्टी की आंतरिक राजनीति नहीं तय करेगा, बल्कि आने वाले समय में राजस्थान की शासन-प्रणाली की दिशा भी निर्धारित करेगा।

अंततः सवाल यही है–क्या ये नियुक्तियां जनता के हित में होंगी या केवल सत्ता के गलियारों में खुशियाँ बांटने का जरिया बनेंगी? जवाब भविष्य देगा, लेकिन जनता की नजरें टिकी हैं। क्योंकि अब नियुक्तियों की सूची नहीं, बल्कि नीयत की परीक्षा हो रही है।

'पार्टी किसी एक व्यक्ति और परिवार की नहीं':

पुराने लोग नए को स्वीकार करें :

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने कहा कि पार्टी किसी एक व्यक्ति या परिवार की नहीं है। नए लोगों को भी सम्मान मिलना चाहिए।

नए लोगों के आने से पार्टी में नयापन आता है। बीएल संतोष ने कहा-पुराने लोगों को नए लोगों को स्वीकार करना चाहिए। पुराने अनुभव के साथ नया जोश भी जरूरी है। आपस में मिलकर समन्वय बैठाते हुए किस तरह से काम किया जाए, यह जरूरी है। बीएल संतोष ने शनिवार को जयपुर के कान्सटीट्यूशन क्लब में आयोजित बीजेपी की प्रदेश संगठनात्मक कार्यशाला के समापन सत्र में ये बातें कहीं।

बीएल संतोष ने कहा- राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय एकात्मता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है।

पदाधिकारियों को दौरे करने का टास्क

बीएल संतोष ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से कहा- जितना हो सके, उतना प्रवास (दौरा) करें। सभी पदाधिकारियों को प्रवास करना चाहिए। प्रवास के दौरान नए लोगों से मिलकर उन्हें संगठन से जोड़ने का प्रयास करना चाहिए, इससे संगठन का विस्तार होता है और संगठन को मजबूती मिलती है। पार्टी में मोर्चे और प्रकोष्ठ पहली सीढ़ी हैं। इनको पूरा सम्मान देना चाहिए। अगर कोई बात हो, तो उसे पार्टी के प्लेटफॉर्म पर रखें।

बीजेपी की राजनीति सेवा आधारित

संगठनात्मक कार्यशाला को लेकर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आज की कार्यशाला का उद्देश्य राजनीति करना नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को मूल्यों, आदर्शों और जनसेवा के भाव से जोड़ना है। आज संगठनात्मक सत्रों में हर विषय पर गंभीर चिंतन किया गया। विशेष रूप से कुटुंब प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा कि आदर्श परिवार ही आदर्श समाज की नींव होता है। भाजपा की राजनीति सेवा भाव पर आधारित है। हम सब राजनीति में सेवक के रूप में आए हैं और जनसेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने संगठन के भीतर संयम, संतुलन और आपसी समन्वय बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि छोटी-छोटी बातों पर विवाद से बचना चाहिए और सकारात्मक सोच के साथ काम करना चाहिए। कार्यशाला में उद्घाटन और समापन को मिलाकर 5 सत्र आयोजित किए गए। जिसमें अलग-अलग वक्ताओं ने अपनी बात रखी।

सीकर यूआईटी अध्यक्ष पद के लिए अशोक पारीक की दावेदारी प्रबल

भीम प्रज्ञा न्यूज़ सीकर।

सरकार जल्द कर सकती है मनोनयन, 10 से अधिक नियुक्तियों की संभावना

राज्य सरकार द्वारा शीघ्र ही विभिन्न नगरीय निकायों और प्राधिकरणों में मनोनयन किए जाने की अटकलों के बीच सीकर शहरी सुधार प्राधिकरण (यूआईटी) के अध्यक्ष पद को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार इस पद के लिए श्रीमाधोपुर के अशोक पारीक की दावेदारी सबसे मजबूत मानी जा रही है।

सूत्रों का कहना है कि सरकार अपने विश्वासपात्र और संगठनात्मक रूप से सक्रिय नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपने की तैयारी में है। इसी क्रम में यूआईटी सीकर सहित प्रदेश भर में 10 से अधिक मनोनयन पदों पर नियुक्तियां किए जाने की संभावना जताई जा रही है। अशोक पारीक लंबे समय से संगठन और जनसेवा से जुड़े रहे हैं। जिला

उपभोक्ता अपराधीकरण के सदस्य सहित स्थानीय स्तर पर उनकी सक्रियता, प्रशासनिक समझ और विकास संबंधी मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण को देखते हुए उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त माना जा रहा है। यदि उनकी नियुक्ति होती है, तो सीकर शहर के नियोजित विकास, आवासीय योजनाओं, आधारभूत ढांचे और शहरी सुविधाओं को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि सरकार मनोनयन प्रक्रिया के माध्यम से संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए अनुभवी चेहरों को आगे लाने की रणनीति पर काम कर रही है। ऐसे में सीकर यूआईटी अध्यक्ष पद पर जल्द ही निर्णय आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अब सभी की निगाहें राज्य सरकार के आधिकारिक निर्णय पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि सीकर के शहरी विकास की कमान किसके हाथों सौंपी जाती है।

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका और महान समाज सुधारक थी सावित्रीबाई फुले- रमेश ठेकेदार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । कांग्रेस के एससी डिपार्टमेंट, जिला रेवाड़ी की ओर से भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, महान समाज सुधारक एवं नारी सशक्तिकरण की प्रतीक सावित्रीबाई फुले की जयंती जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार के कार्यालय पर धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में बोलते हुए जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 03 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सतारा में हुआ था। उन्होंने अपने पति महात्मा ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर महिलाओं, दलितों एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने बताया कि सावित्रीबाई फुले ने वर्ष 1848 में लड़कियों के लिए पहला स्कूल खोलकर महिला शिक्षा की मजबूत नींव रखी। वे बाल विवाह, छुआछूत और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आजीवन संघर्षरत रहीं तथा विधवा पुनर्विवाह की प्रबल समर्थक थीं। उनकी शिक्षाएं और लेखन आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रधान बीरसिंह चावरिया ने किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता सूबेदार मेजर सत्यनारायण सांभरिया, खूबराम सरपंच नंदरामपुर बांस, हीरा सिंह, राजेंद्र सिंह गहलोत, राजेंद्र हांसावास, रमेश, बलबीर सिंह पंच, शिशपाल, डॉ. मामराज, सुदेश कुमार, हरिदास, इंद्रजीत, गौरी शंकर, मिथिलेश, सचिन सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहें।

सुंदर नगर में बैरवा दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

महर्षि बालीनाथ जयंती पर हुआ सामाजिक एकता और शिक्षा का संदेश

भीम प्रजा न्यूज़

राकेश कुमार बैरवा इंदरगढ़ (बूंदी)। ग्राम सुंदर नगर (इंदरगढ़) में महर्षि बालीनाथ जयंती के अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रगतिशील युवा कमेटी के तत्वावधान में बैरवा दिवस बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य नागरिकों, युवाओं और विद्यार्थियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केशवराय पाटन विधायक सी.एल. प्रेमी बैरवा रहे, जबकि अध्यक्षता बद्रीलाल बैरवा (जिलाध्यक्ष, बैरवा समाज विकास समिति बूंदी) ने की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सुखदेव बैरवा (महामंत्री, बैरवा समाज विकास समिति बूंदी), प्रेम शंकर बैरवा (महासचिव, प्रदेश अनुसूचित जाति कांग्रेस कमेटी जयपुर), जयकुमार बैरवा (जिलाध्यक्ष युवा महासभा बूंदी), बाबूलाल तिलकर (बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एम्बेसडर), हेमंत बैरवा (युवा नेता, देई),

लक्ष्मण बैरवा देवपुरा (पूर्व जिलाध्यक्ष भीम आर्मी), लक्ष्मण बैरवा (ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी हिंडोली) एवं विनोद बैरवा (अध्यक्ष युवा महासभा) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर बुलाकर प्रशंसा पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में निकिता बैरवा, अंजलि बैरवा, राकेश बैरवा, नंदिनी बैरवा, कृष्णा बैरवा, अंकित बैरवा, मीनाक्षी एवं अवनी प्रमुख रहे।

वक्ताओं ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'शिक्षा ही जीवन का आधार है और शिक्षा के माध्यम से ही समाज एवं राष्ट्र की उन्नति संभव है।' उन्होंने युवाओं से नशामुक्त, शिक्षित और संगठित समाज निर्माण का आह्वान किया। कार्यक्रम में रामेश्वर अखंड (ब्लॉक अध्यक्ष, बैरवा विकास समिति इंदरगढ़), गणेश बैरवा (सवाई माधोपुर), महेंद्र बैरवा (सवाई माधोपुर), कैलाशचंद सिसोदिया, भेरूलाल, विनोद बैरवा (युवा नेता, सवाई माधोपुर), मुरारीलाल बैरवा, राजेंद्र कुमार बैरवा, पप्पूलाल जलवानिया, अनिल कुमार बैरवा, एडवोकेट विनोद बैरवा, किसनगोपाल बैरवा, हजारीलाल, विष्णु प्रसाद (लाखेरी) एवं श्यामा बाई सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कमेटी सदस्य आशाराम बैरवा, मनोज बैरवा, विमल बैरवा, दीपक बैरवा, जीतू बैरवा, कमलेश बैरवा, भोलूराम बैरवा, घनश्याम बैरवा, भेरू प्रकाश बैरवा, अजय बैरवा, अनिल बैरवा, राजकुमार, सुमित, राकेश, गिर्राज, महावीर, शंकर एवं अंकित बैरवा का सराहनीय योगदान रहा।

अंबेडकर-SC-ST समाज पर टिप्पणी के आरोपी को पकड़ने की मांग

भीम प्रजा न्यूज़

चूरू । चूरू में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर और एससी-एसटी समाज के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला गरमा गया है। आरोपी युवक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अनुसूचित जाति जनजाति आरक्षण मंच के बैनर तले समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। उन्होंने जिला कलेक्टर के नाम एडीएम अर्पिता सोनी को ज्ञापन सौंपा। आरक्षण मंच के अध्यक्ष गजानंद खेड़ीवाल ने बताया कि 29 दिसंबर को रतनगढ़ क्षेत्र के जांदवा गांव निवासी एक युवक ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर डॉ. भीमराव अंबेडकर और एससी-एसटी समाज के खिलाफ अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस घटना के बाद से समाज में भारी रोष व्याप्त है। खेड़ीवाल ने कहा कि यह टिप्पणी न केवल संविधान और सामाजिक सौहार्द का अपमान है, बल्कि कानून-व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती है। उन्होंने बताया कि घटना के तुरंत बाद सामाजिक संगठनों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की थी। हालांकि, अब तक गिरफ्तारी नहीं होने से समाज में आक्रोश और बढ़ गया है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर ढिलाई का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से जिला प्रशासन से मांग की गई है कि आरोपी युवक को तत्काल गिरफ्तार कर अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम सहित अन्य संबंधित धाराओं में कठोर कार्रवाई की जाए।

समाज के लोगों का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

सामरिक शक्ति- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और आईएनएस वाघशीर की ऐतिहासिक यात्रा

योगेश कुमार गोयल

आईएनएस वाघशीर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की समुद्री यात्रा भारत के आत्मनिर्भर, समावेशी और रणनीतिक भारत का जीवंत प्रतीक बन गई है। यह एक यात्रा मात्र नहीं थी बल्कि यह उस आत्मविश्वास की घोषणा थी, जो कहता है कि भारत अब किसी के संरक्षण में नहीं बल्कि अपनी तकनीक, अपने मानव संसाधन और अपने नेतृत्व के बल पर विश्व मंच पर खड़ा है। समुद्र की गहराइयों में उतरती यह पनडुब्बी केवल धातु का ढ़ांचा नहीं बल्कि उस राष्ट्र की आत्मा है, जो शांति के प्रति समर्पित है पर आवश्यकता पड़ने पर अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए तैयार भी है।

समुद्र की गहराइयों से उठती नारी शक्ति की गूंज... भारत के सैन्य इतिहास में कुछ क्षण केवल घटनाएं नहीं, राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक बन जाते हैं। पिछले दिनों जब भारत की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय नौसेना की अत्याधुनिक पनडुब्बी 'आईएनएस वाघशीर' पर सवार होकर समुद्र की गहराइयों में प्रवेश किया, वह क्षण भारत के सैन्य इतिहास में एक प्रतीकात्मक मील का पत्थर बन गया। उनकी यह यात्रा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी बल्कि यह भारत की समुद्री शक्ति, रक्षा आत्मनिर्भरता, महिला नेतृत्व और हिंद महासागर क्षेत्र में देश की निर्णायक भूमिका का सशक्त प्रदर्शन थी। राष्ट्रपति मुर्मू न केवल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने पनडुब्बी यात्रा की बल्कि इसका गहरा प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि भारत अब तकनीकी, रणनीतिक और नेतृत्व, तीनों स्तरों पर नया आत्मविश्वास अर्जित कर चुका है।

लगभग 19 वर्ष पहले फरवरी 2006 में भारत के राष्ट्रपति 'मिसाइल मैन' डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में समुद्री यात्रा की थी। तब से लेकर अब तक भारत का रक्षा परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। जो राष्ट्र तब विदेशी प्रणालियों पर निर्भर था, वह आज आत्मनिर्भरता और उन्नत तकनीकी क्षमता के साथ समुद्र की गहराइयों में अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा इस ऐतिहासिक निरंतरता को नया आयाम देती है। यह केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रपति की एक सक्रिय, संलग्न और रणनीतिक भूमिका का प्रतीक है, जहां सर्वोच्च नेतृत्व स्वयं उन चुनौतियों और अवसरों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करता है, जिनसे हमारे सशस्त्र बल प्रतिदिन जूझते हैं।

'आईएनएस वाघशीर' प्रोजेक्ट-75 स्कॉर्पीन कार्यक्रम की छठी और अंतिम पनडुब्बी है, जो भारतीय नौसेना में जनवरी 2025 में शामिल हुई थी। इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने फ्रांस की कंपनी 'नेवल ग्रुप' के तकनीकी सहयोग से किया। यह सहयोग अब केवल तकनीक हस्तांतरण का मॉडल नहीं रहा बल्कि 'मेक इन इंडिया' की वास्तविक सफलता का उदाहरण बन चुका है। भारत आज न केवल जटिल नौसेना प्रणालियों को जोड़ने में सक्षम है बल्कि उनमें नवाचार करने की दिशा में भी अग्रसर है। तकनीकी रूप से वाघशीर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ डीजल-इलैक्ट्रिक पनडुब्बियों में गिनी जाती है। लगभग 67 मीटर लंबी और 1,565 टन वजनी यह पनडुब्बी 350 मीटर तक गोता लगाने और पानी के नीचे 37 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने में सक्षम है।

आईएनएस वाघशीर का उन्नत स्टील्थ डिजाइन इसे दुश्मन के सोनार और रडार से लगभग अदृश्य बनाता है। वायर-गाइडेड टॉरपीडो और एंटी-शिप मिसाइलें इसे दुश्मन के

किसी भी युद्धपोत को ध्वस्त करने की क्षमता देती हैं। उच्च-संवेदनशील सोनार और रडार प्रणालियां इस पनडुब्बी को खुफिया जानकारी, निगरानी और विशेष अभियानों के लिए आदर्श प्लेटफॉर्म बनाती हैं। 50 दिनों तक समुद्र में तैनाती की क्षमता से यह लंबी अवधि के मिशन संचालित कर सकती है। सबसे भविष्यवादी तत्व इसकी मॉड्युलर संरचना है, जो इसे आने वाले वर्षों में ह्यएयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शनह्ल प्रणाली से लैस करने की सुविधा प्रदान करेगी। इस तकनीक के जोड़ने के बाद वाघशीर को सतह पर आए बिना लंबे समय तक गहराइयों में तैनात किया जा सकेगा, जिससे इसकी स्टील्थ और मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा कारवार स्थित आईएनएस कदंब नौसैनिक अड्डे से प्रारंभ हुई, जो भारत के समुद्री सामर्थ्य का केंद्र बन चुका है। 'प्रोजेक्ट सीबर्ड' के तहत विकसित यह अड्डा 45 वर्ग किलोमीटर में फैला एक विशाल सामरिक बेस है। पूर्ण निर्माण के बाद यह स्वेज नहर के पूर्व में पृथ्वी का सबसे बड़ा नौसैनिक अड्डा होगा, जहां 50 से अधिक युद्धपोतों को रखने की क्षमता होगी। यह आधार केवल एक सैन्य सुविधा नहीं बल्कि भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टि का प्रतीक है। यहां से भारत न केवल अपने समुद्री तट की सुरक्षा करता है बल्कि पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र पर सामरिक निगरानी भी रखता है। कारवार का विकास हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की निर्णायक भूमिका के अनुरूप है, जहां व्यापारिक मार्ग, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक नियंत्रण सब कुछ समुद्र पर निर्भर है।

राष्ट्रपति की यात्रा का सबसे भावनात्मक क्षण वह रहा, जब उन्होंने पनडुब्बी में तैनात नौसैनिकों से संवाद किया। पनडुब्बी सेवा, सामान्य नौसैनिक जीवन से कहीं अधिक कठिन होती है, जहां सीमित स्थान, पूर्ण गोपनीयता, महीनों तक अंधकार और हर क्षण अप्रत्याशित खतरे रहते हैं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रपति का स्वयं आकर सैनिकों का अभिवादन करना उनके मनोबल को अतुलनीय शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने नौसैनिकों के अनुशासन, तकनीकी दक्षता और त्याग की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'भारतीय सैन्य शक्ति का असली आधार उसकी मानव शक्ति है।' यह कथन भारत की उस सैन्य नीति को उजागर करता है, जो आधुनिक हथियारों जितनी ही ऊर्जा अपने जवानों की प्रतिबद्धता में देखती है। एक आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला, जो देश की सर्वोच्च संवैधानिक पद पर हैं, उनका अत्याधुनिक पनडुब्बी में उतरना केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं बल्कि सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रतीक है। भारत की सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। 2014 में जहां महिला अधिकारियों की संख्या लगभग 3,000 थी, वहीं आज यह 11,000 से अधिक हो चुकी है। 2020 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय के बाद 500 से अधिक महिला अधिकारियों को स्थायी आयोग दिया गया। 2022 से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिला कैडेट्स के प्रवेश से नए युग की शुरूआत हुई। राष्ट्रपति मुर्मू का सुखोई-30 एमकेआई, राफेल और अब पनडुब्बी में तीनों सशस्त्र शाखाओं का प्रत्यक्ष अनुभव, यह केवल नारी सशक्तिकरण का प्रतीक नहीं बल्कि यह संदेश भी है कि 21वीं सदी का भारत नेतृत्व को लिंग की सीमाओं से परिभाषित नहीं करता। उनकी यह यात्रा समाज की उस प्रेरणा का स्वर बन गई है, जो भारत की बेटियों को कहती है कि 'समुद्र की गहराइयां भी तुम्हारे साहस से अपरिचित नहीं हैं।'

प्रोजेक्ट-75, जिसने वाघशीर जैसी पनडुब्बियों को जन्म दिया, भारत की तकनीकी स्वायत्तता की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। इसका उद्देश्य केवल छह पनडुब्बियां बनाना नहीं बल्कि भारत को पनडुब्बी निर्माण और डिजाइन की घरेलू क्षमता देना था। भारत अब अगले चरण 'प्रोजेक्ट-75 (आई)' की ओर बढ़ रहा है, जिसमें पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और निर्माण पर ध्यान रहेगा। इससे भारत न केवल अपनी रक्षा जरूरतें पूरा करेगा बल्कि भविष्य में अन्य देशों को भी नौसैनिक प्लेटफॉर्म निर्यात करने में सक्षम होगा। यह मार्ग 'आत्मनिर्भर भारत' की उस व्यापक सोच से जुड़ा है, जहां रक्षा उत्पादन को आर्थिक विकास, कूटनीति और तकनीकी नवाचार से जोड़ा गया है।

वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हिंद महासागर क्षेत्र वह भौगोलिक परिसीमा है, जहां वैश्विक शक्ति-संतुलन तय हो रहा है। विश्व व्यापार का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं समुद्री मार्गों से गुजरता है। चीन की बढ़ती नौसैनिक सक्रियता, दक्षिण चीन सागर का तनाव और इंडो-पैसिफिक में भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को नया केंद्र बना दिया है। ऐसे में, भारत की नीति स्पष्ट है, सागर : सभी के लिए सुरक्षा और विकास।' इसके विस्तार स्वरूप भारत ने महासागर और MAITRI जैसी पहलें शुरू की हैं, जो क्वाड देशों (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत) के साथ तालमेल से संचालित हो रही हैं। राष्ट्रपति की यह यात्रा विश्व समुदाय के लिए संकेत है कि भारत केवल क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं बल्कि एक नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर है, जो नियम-आधारित, स्वतंत्र और सुरक्षित समुद्री व्यवस्था को सशक्त कर रहा है।

राष्ट्रपति की यह यात्रा केवल एक प्रतीकात्मक उपस्थिति नहीं थी बल्कि यह संदेश थी कि भारत का सर्वोच्च नेतृत्व अपने सिपाहियों के साथ खड़ा है, उनके जीवन, उनके संघर्ष और उनके गौरव को पूरी संवेदना से समझता है। पनडुब्बी के संकरे गलियारों में राष्ट्रपति का नौसैनिकों से बातचीत करना, उनके उपकरणों को देखना और उनके मनोबल को सराहना, यह उस गहरे विश्वास का प्रतीक है, जो सरकार और सशस्त्र बलों के बीच सेतु बनाता है। यह विश्वास ही भारत की सैन्य शक्ति का अदृश्य किन्तु सबसे प्रबल स्तंभ है।

आईएनएस वाघशीर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की समुद्री यात्रा भारत के आत्मनिर्भर, समावेशी और रणनीतिक भारत का जीवंत प्रतीक बन गई है। यह एक यात्रा मात्र नहीं थी बल्कि यह उस आत्मविश्वास की घोषणा थी, जो कहता है कि भारत अब किसी के संरक्षण में नहीं बल्कि अपनी तकनीक, अपने मानव संसाधन और अपने नेतृत्व के बल पर विश्व मंच पर खड़ा है। समुद्र की गहराइयों में उतरती यह पनडुब्बी केवल धातु का ढ़ांचा नहीं बल्कि उस राष्ट्र की आत्मा है, जो शांति के प्रति समर्पित है पर आवश्यकता पड़ने पर अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए तैयार भी है। कुल मिलाकर, राष्ट्रपति मुर्मू और आईएनएस वाघशीर, दोनों एक ऐसे नए भारत के प्रतीक हैं, जो नारी शक्ति, आत्मनिर्भरता और अडिग संकल्प के सहारे अपना भविष्य खुद गढ़ रहा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

संपादकीय

दूषित पानी का हत्याकांड

कितना अभिशप्त और कलंकित शहर है इंदौर! जिस शहर को स्वच्छता के लिए लगातार राष्ट्रीय सम्मान मिल रहा है, उसी शहर में लोग दूषित पानी पीने से मर रहे हैं। यह इंदौर का काला सच है! इससे विरोधाभासी त्रासदी और क्या होगी? हमें नए साल की शुरूआत में ही ऐसा शोकाकुल, संतप्त, अफसोसनाक, व्यवस्था के 'फालतूपन', संवेदनहीनता और मंत्री जी के 'घंटे' पर विश्लेषण करना पड़ रहा है, लिहाजा हमारी विवशता समझिए। यह त्रासद घटना मप्र के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के चुनाव-क्षेत्र के भागीरथपुरा की है। क्या विडंबना और अंधेरगर्दी है कि नर्मदा के पानी की लाइन में मल की पाइपलाइन जुड़ गई और लोग वही विषाक्त पानी पीते रहे! आखिर यह नालायकी कैसे संभव है? यदि यह हत्याकांड (हम इसे हत्याकांड ही मानेंगे) सामने न आता, तो न जाने कितनी और अर्थियां उठानी पड़तीं? विषाक्त पानी पीने से अभी तक 14 मौतें हो चुकी हैं और 32 मरीजों की स्थिति गंभीर बताई गई है। उनमें से अधिकतर अस्पतालों के आईसीयू में उपचाराधीन हैं। ईश्वर उन्हें नई जिंदगी दें। अस्पतालों में 201 मरीज भर्ती हैं। कुल 8571 प्रभावित लोगों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से 338 संक्रमित पाए गए हैं। अब हैजा फैलाने वाले घातक विषाणु भी मिले हैं। मप्र सरकार बेशक अफसरों को निलंबित करे या बर्खास्त कर दे अथवा सूली पर चढ़ा दे, लेकिन जिन परिवारों के चिराग बुझे हैं, कमाऊ पूत भरी जवानी में चले गए हैं, बड़ों के साये भी छिन गए हैं, क्या उनकी क्षतिपूर्ति संभव है? ऐसी किसी भी त्रासद घटना की क्षतिपूर्ति की ही नहीं जा सकती। जिन लोगों ने गुस्से या आक्रोश में सरकारी चेक कबूल करने से इंकार कर दिया है, हम उनकी हिम्मत की दाद देते हैं। सरकार या राजनीतिक नेतृत्व को कभी-कभार 'लाल आंखें' दिखाना सही होता है। कैलाश विजयवर्गीय भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में हैं और मालवा के सबसे ताकतवर नेता के तौर पर गिने जाते हैं। उन्होंने पत्रकारों से भिड़ते हुए कहा-फोकट के सवाल मत पूछें। 'इससे उनकी मानसिकता स्पष्ट हुई है। वह मौत के आंकड़ों को 'घंटा' करार दे रहे हैं। क्या ऐसे नेता को जनता को खारिज नहीं कर देना चाहिए? दरअसल सवाल खोखले नारों, दावों और सतही श्रृंगार का है। इंदौर पर ग्लैमर और आकर्षण थोपा जा रहा है। वह स्वच्छता का शहर भी नहीं है। यह हमारा दावा है, क्योंकि हमने इंदौर को नंगी आंखों से देखा है। वहां अराजकता और अतिक्रमण चारों ओर देखा जा सकता है। इंदौरवाले अव्वल दर्जे के 'खाऊ' हैं, लेकिन नर्मदा नदी के तट पर बसे शहर में चेतावनीपूर्ण जल-संकट की स्थितियां हैं। गर्मियों में लोगों को पानी के टैंकर खरीद कर अपनी जरूरतें पूरी करनी पड़ती हैं। किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री या खुद जनता ने पानी के संकट की कभी भी चिंता नहीं की। अब इंदौर को इतना विकसित बनाने की योजनाओं पर काम चल रहा है कि प्रधानमंत्री का दूसरा आवास वहीं बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री इंदौर में बस कर क्या करेंगे? इंदौर को सिर्फ ऊपर से सजाने-संवारने की कोशिशें की जाती रही हैं। यह कैसा शहर है, जहां 95 फीसदी से अधिक दोपहिया चालक हैलमेट ही नहीं पहनते, लाल बत्ती की गंभीरता से नहीं मानते और वाहन आपस में लगभग काटते, टकराते चलते रहते हैं। ऐसे शहर को बेनकाब करना जरूरी है।

चिंतन-मनन

मनुष्य को कर्मों का कर्ज चुकाना होगा

भगवान ने हमारे जीवन को पवित्र बनाने के लिए समय-समय पर जो उपदेश दिए हैं, वे शास्त्रों के रूप में हमारे सामने हैं। हमें यह जो मनुष्य भव मिला है, यदि कर्मों का कर्ज चुका दिया तो सीधे मोक्ष प्राप्त हो सकता है। मनुष्य को अपने कर्मों का भुगतान स्वयं करना पड़ता है। उपाध्याय प्रवर मूलमुनिजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कई भवों के बाद मनुष्य जन्म प्राप्त होता है। हम मनुष्य भव को सद्कार्यों में लगाकर जीवन का कल्याण कर सकते हैं। ऋषभमुनिजी ने कहा कि भगवान के शरीर में तीर्थंकर का शरीर सबसे श्रेष्ठ बना है। तीर्थंकरों के शरीर में सुगंध आती है जबकि भगवान के पास जाते ही समभाव आ जाता है। भगवान के 34 अतिशय का प्रभाव रहता है। भगवान का शरीर के प्रति राग नहीं रहता। केवलज्ञान ही पूर्ण ज्ञान रहता है। आत्मा ही गुरु है। आत्मा ही देव है।

अंधेरे से उजाले का सफरः लुई ब्रेल और उनकी जादुई लिपि

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास में कुछ ऐसे महान व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने अपनी शारीरिक अक्षमता को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया, या यूं कहें खुद के साथ पूरी मानवता की सेवा की तो अतिशयोक्ति नहीं होगी ' इन्हीं में से एक नाम है लुई ब्रेल'

लुई ब्रेल वह महामानव थे, जिन्होंने दृष्टिबाधितों की दुनिया में शिक्षा का सूरज उगाया। 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के कुपव्रे में जन्मे लुई के जीवन की कहानी किसी चमत्कार से कम नहीं है। मात्र तीन वर्ष की आयु में पिता की कार्यशाला में काम करते समय एक नुकीले औजार से उनकी आँख में चोट लग गई। संक्रमण इतना फैला कि बालक लुई ने अपनी दोनों आँखों की रोशनी खो दी। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था; आँखों की रोशनी जाना उनके जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरूआत थी, शायद उनकी आखों का जाना सिर्फ.जाना नहीं था बल्कि दुनिया भर के दृष्टिबाधित लोगों के लिए प्रकाश लेकर आना था, और इस पुण्यात्मा ने यही किया '

लुई ब्रेल की मेधा शक्ति बचपन से ही विलक्षण थी। जब उन्होंने पेरिस के रॉयल इंस्टीट्यूशन फॉर ब्लाइंड यूथ में दाखिला लिया, तो उन्होंने पाया कि वहां पढ़ने के लिए इस्तेमाल होने वाली हाउ पद्धति अत्यंत बोझिल थी। इसमें कागज पर अक्षरों को उभारकर बनाया जाता था, जिन्हें स्पर्श करके पढ़ना बहुत धीमा और थका देने वाला काम था। लुई को महसूस हुआ कि यदि दृष्टिबाधितों को वास्तव में शिक्षित होना है, तो उन्हें एक ऐसी भाषा की जरूरत है जो उतनी ही तेज हो जितनी कि आँखों से पढ़ी जाने वाली लिपि।

लुई ब्रेल के जीवन में निर्णायक मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात फ्रांसीसी सेना के कैप्टन चार्ल्स बार्बियर से हुई। बार्बियर ने सैनिकों के लिए अंधेरे में संदेश पढ़ने हेतु 12 बिंदुओं वाली नाइट राइटिंग (सोनोग्राफी) विकसित की थी। हालाँकि यह तकनीक ध्वनियों पर आधारित थी, लेकिन काफी जटिल और बड़ी थी; एक उंगली से एक साथ 12 बिंदुओं को महसूस करना अत्यंत कठिन था और इसमें व्याकरण का अभाव था। केवल 15 वर्ष की आयु में लुई ने इस चुनौती को स्वीकार किया और गहन विश्लेषण के बाद इसे पूरी तरह रूपांतरित कर दिया। उन्होंने वैज्ञानिक आधार पर पाया कि मनुष्य की उंगली की पोर एक बार में अधिकतम छह बिंदुओं को ही सटीकता से पढ़ सकती है। इसी आधार पर उन्होंने 12 बिंदुओं की जटिलता को घटाकर 6 बिंदुओं के दो कॉलम वाले सेल में समेट दिया। यह छोटा सा दिखने वाला बदलाव दृष्टिबाधितों के लिए एक महान आविष्कार साबित हुआ।

लुई का यह 6 बिंदुओं का जादुई खांचा इतना लचीला था कि इससे 63 अलग-अलग संयोजन बनाए जा सकते थे। उन्होंने इसे न केवल वर्णमाला, बल्कि गणितीय सूत्रों, संगीत के नोट्स और वैज्ञानिक प्रतीकों के लिए भी सक्षम बनाया। उनकी इस मेधा शक्ति ने स्पर्श को शब्दों की गति प्रदान की, जिससे दृष्टिबाधितों के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता के बंद द्वार हमेशा के लिए खुल गए। आज खगोल शास्त्र जैसे जटिल विषयों का ब्रेल लिपि में उपलब्ध होना लुई ब्रेल की इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

भारत में लुई ब्रेल के योगदान को सदैव उच्च सम्मान दिया गया है। भारत सरकार ने वर्ष 2009 में उनकी 200वीं जयंती के अवसर पर ?2 का विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आज भारत के कोने-कोने में दृष्टिबाधितों के लिए चल रहे संस्थान और ब्रेल प्रेस लुई के सपनों को साकार कर रहे हैं। उनके आविष्कार ने दुनिया सहित करोड़ों भारतीयों को आत्मनिर्भर बनाकर मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है। लुई ब्रेल के जीवन के कुछ ऐसे पहलू भी हैं जिनसे दुनिया कम परिचित है। वे न केवल एक आविष्कारक थे, बल्कि एक असाधारण संगीतकार और ऑर्गन वादक भी थे। उन्होंने पेरिस के प्रतिष्ठित चर्चों में संगीत देकर अपनी जीविका चलाई। उन्होंने राफिग्राफी नामक एक अन्य पद्धति भी विकसित की थी, जिससे दृष्टिबाधित व्यक्ति सामान्य लिपि में पत्र लिख सकते थे। विडंबना यह रही कि जिस लिपि ने दुनिया को रोशन किया, उसे लुई के

जीवित रहते आधिकारिक मान्यता नहीं मिल सकी। 6 जनवरी 1852 को क्षय रोग (टीबी) के कारण उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी उंगलियों के निशान आज करोड़ों लोगों की आँखों की रोशनी बनकर जीवित हैं। लुई ब्रेल का जीवन हमें सिखाता है कि बाधाएं केवल शरीर को रोक सकती हैं, संकल्प और बुद्धि को नहीं। लुई ब्रेल जैसी महान शख्सियतें कभी मरती नहीं हैं, लुई ब्रेल जैसी महान आत्मा को हमारा प्रणाम।

इंदौर की गलियों में बहता मौत का पानी और जवाबदेही की सूखी टोटियाँ

कांतिलाल मांडोत

देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा पाने वाला इंदौर आज एक ऐसे सवाल के सामने खड़ा है, जो किसी एक गली, एक कॉलोनी या एक हादसे तक सीमित नहीं है। भागीरथपुरा और आसपास के इलाकों में दूषित पानी पीने से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह 14 घरों में पसरे सन्नाटे की गिनती है, 14 चिताओं की राख है और सैकड़ों बीमार शरीरों की कराह है। जिन शहरों को हम विकास, स्वच्छता और आधुनिक व्यवस्था का मॉडल बताते नहीं थकते, वहीं अगर नल से जहर बहने लगे तो यह व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता नहीं तो और क्या है।

भागीरथपुरा की संकरी गलियों में बीते कई दिनों से मातम पसरा है। अरविंद, उम्र 43 वर्ष, कुलकर्णी भट्टा निवासी, इस त्रासदी का 14वां शिकार बना। उससे पहले 21 से 31 दिसंबर के बीच 13 जिंदगियां बुझ चुकी थीं। यह कोई अचानक आया तूफान नहीं था। यह मौतें धीरे-धीरे आईं, चेतावनी देती रहीं, शिकायतों की शक्ल में दस्तक देती रहीं, लेकिन जलदाय विभाग और जिम्मेदार तंत्र ने उन्हें सुना ही नहीं। दो साल से लोग कह रहे थे कि नलों से बदबूदार, गंदा पानी आ रहा है। दो साल से बच्चे बीमार पड़ रहे थे, बुजुर्ग उल्टियां कर रहे थे, घरों में दवाइयों की बोतलें जमा हो रही थीं। अगर तब सुना जाता, तो शायद आज 14 चिताएं न जल रहीं होतीं। पानी जीवन है, यह वाक्य हम किताबों में पढ़ते हैं। लेकिन जब वही पानी मौत बन जाए, तो सवाल सीधे उस विभाग पर जाता है, जिसकी जिम्मेदारी लोगों तक सुरक्षित जल पहुंचाने की है। जलदाय विभाग की पाइपलाइनों में लीकेज था, यह बात अब सरकारी रिपोर्ट भी मान चुकी है। सीएमएचओ की जांच रिपोर्ट ने साफ कर दिया कि पाइपलाइन में रिसाव के कारण पानी दूषित हुआ और उसी पानी को पीने से लोग बीमार पड़े और मरे। सांसद ने भी स्वीकार किया कि पानी के सैंपल में जानलेवा बैक्टीरिया मिले हैं। लेकिन यह स्वीकारोक्ति तब आई, जब कई घर उजड़ चुके थे। क्या किसी विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ रिपोर्ट आने के बाद बयान देना है, या समय रहते खतरे को रोकना भी उसका दायित्व है?

स्वास्थ्य विभाग ने करीब आठ हजार घरों का सर्वे किया, ढाई हजार से ज्यादा लोग संक्रमित या संदिग्ध पाए गए, सैकड़ों अस्पताल में भर्ती हुए। यह संख्या बताती है कि समस्या कितनी व्यापक थी। फिर भी जलदाय विभाग की तरफ से न समय पर सप्लाई रोकी गई, न वैकल्पिक व्यवस्था की गई, न ही बड़े स्तर पर चेतावनी जारी की गई। जिन नलों से पानी आता है, वही नल मौत का फंदा बन गए और लोग मजबूरी में वही पानी पीते रहे। जिनके पास बोतलबंद पानी खरीदने की हैसियत नहीं थी, उनके लिए इससे ज्यादा कठिनाई और क्या हो सकती थी?

जब मंत्री कैलाश विजयवगीय भागीरथपुरा पहुंचे और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए के चेक देने की कोशिश की गई, तो वह दृश्य अपने आप में व्यवस्था के प्रति लोगों के गुस्से का आईना था। परिजनों ने चेक लेने से मना कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें पैसे नहीं चाहिए, उन्हें जवाब चाहिए। महिलाओं ने मंत्री को घेरकर कहा कि दो साल से शिकायत कर रहे थे, अगर तब सुन लिया गया होता तो आज इतने लोग नहीं मरते। यह कोई राजनीतिक विरोध नहीं था, यह एक मां, एक पत्नी, एक बहन की पीड़ा थी, जिसे चेक से नहीं खरीदा जा सकता।

मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों के बयान इस त्रासदी में और नमक छिड़कते नजर आए। कहीं कहा गया कि जांच होगी, कहीं कहा गया कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी, कहीं यह बताया गया कि आंकड़े जल्द जारी किए जाएंगे। सवाल यह है कि जब लोग मर रहे थे, तब ये बयान कहां थे? जब बदबूदार पानी की शिकायतें दर्ज हो रही थीं, तब जलदाय विभाग की मशीनरी क्यों नहीं जागी? क्या हर हादसे के बाद यही रटी-रटाई पंक्तियां सुनना ही जनता की नियति है?

इंदौर की यह घटना सिर्फ एक शहर की कहानी नहीं है। यह उस पूरे देश का आईना है, जहां आजादी के इतने वर्षों बाद भी साफ पानी की गारंटी नहीं दी जा सकी। शहरों में स्मार्ट सिटी की बातें होती हैं, करोड़ों की परियोजनाएं गिनाई जाती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि गरीब और मध्यम वर्ग आज भी नल खोलते वक्त डरता है कि पता नहीं आज पानी आएगा भी या नहीं, और अगर आएगा तो कैसा आएगा। भागीरथपुरा के लोग आज यही डर जी रहे हैं। जलदाय विभाग पर सवाल इसलिए भी गंभीर हैं क्योंकि पानी की सप्लाई कोई विलासिता नहीं, बल्कि मूलभूत अधिकार है। पाइपलाइनों की नियमित जांच, लीकेज की मरम्मत, पानी की गुणवत्ता की लगातार मॉनिटरिंग, यह सब विभाग की रोजमर्रा की जिम्मेदारी है। अगर दो साल से गंदा पानी आ रहा था, तो यह केवल तकनीकी चूक नहीं, बल्कि संस्थागत लापरवाही है। यह लापरवाही तब और खतरनाक हो जाती है, जब उसके नतीजे मौत के रूप में सामने आते हैं।

आज भागीरथपुरा में जो हो रहा है, वह आने वाले कल की चेतावनी है। अगर जलदाय विभाग और प्रशासन ने इस घटना से सबक नहीं लिया, तो अगला आंकड़ा किसी और शहर, किसी और कॉलोनी से आ सकता है। सवाल सिर्फ 14 मौतों का नहीं है, सवाल उस व्यवस्था का है, जो हर बार हादसे के बाद जागती है और फिर धीरे-धीरे सो जाती है। जब तक जिम्मेदारी तय नहीं होगी, जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक हर मुआवजा सिर्फ एक औपचारिकता रहेगा। स्वच्छ शहर की चमकदार छवि के पीछे यह कड़वा सच छिपा है कि यहां भी लोग पानी के लिए तरसते हैं, यहां भी लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। जिन घरों में आज शोक है, वहां कभी बच्चों की हंसी गूंजती थी। आज वहां खाली बर्तन और सूनी आंखें हैं। यह केवल इंदौर की नहीं, पूरे सिस्टम की हार है। यह समय आत्ममंथन का है। जलदाय विभाग को सिर्फ बयान देने से आगे बढ़कर ठोस सुधार करने होंगे। मंत्रियों को उल्टे-सीधे जवाब देने के बजाय जनता के सवालों का ईमानदारी से सामना करना होगा। और सबसे जरूरी, यह मानना होगा कि पानी की एक-एक बूंद की जिम्मेदारी किसी विभाग की फाइल नहीं, बल्कि इंसानी जिंदगी है। क्योंकि जब नल से पानी नहीं, मौत बहने लगे, तो कोई भी शहर स्वच्छ नहीं कहलाता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया से चिड़ावा के युवा नेता सुरेश भूकर की दिल्ली में शिष्टाचार मुलाकात

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

भारतीय जनता पार्टी के युवा एवं सक्रिय नेता सुरेश भूकर ने पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया से नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान सुरेश भूकर ने राजस्थान और विशेष रूप से झुंझुनूं जिले में भाजपा सरकार एवं संगठन द्वारा करवाए गए विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी साझा की। साथ ही झुंझुनूं जिले के विभिन्न स्थानीय मुद्दों पर राष्ट्रीय प्रवक्ता के साथ विचार-विमर्श किया। गौरव भाटिया ने पार्टी संगठन को मजबूत करने के संदर्भ में उपयोगी सुझाव दिए।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बोस्ती में आयोजित जम्भवाणी सत्संग कथा ज्ञान यज्ञ में की शिरकत

आध्यात्मिक आयोजनों से समाज को मिलती है नैतिक दिशा और पर्यावरणीय चेतनाः राज्यसभा सांसद सुभाष बराला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना/बोस्ती।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला शनिवार को गुरु जम्भेश्वर मंदिर व धर्मशाला, बोस्ती में आयोजित जम्भवाणी सत्संग कथा ज्ञान यज्ञ (जम्भवाणी ज्ञान यज्ञ) में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण की भावना को सुदृढ़ करने वाले इस दिव्य आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में आचार्य रामाचार्य महाराज के मुखारविंद से जम्भवाणी के अमृत वचनों का प्रवाह हुआ, जिसके माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्म, सदाचार, सामाजिक समरसता, मानवीय मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण का प्रेरक संदेश प्राप्त हुआ। सांसद बराला ने अपने संबोधन में कहा कि जम्भवाणी केवल एक आध्यात्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन और प्रकृति-संरक्षण का वह शाश्वत मार्ग है, जो आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, नैतिक चेतना जागृत होती है और हमारी सांस्कृतिक जड़ों को नई दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक व सामाजिक आयोजनों से समाज में आपसी सद्भाव, नैतिक अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूती मिलती है। साथ ही, गुरु जम्भेश्वर जी महाराज द्वारा दिए गए पर्यावरण संरक्षण और जीव-दया के सिद्धांत हमें प्रकृति के प्रति कर्तव्यबोध का संकल्प भी दिलाते हैं। विकसित व सशक्त समाज के निर्माण के लिए आध्यात्मिक जागरण और पर्यावरणीय चेतना दोनों का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। सांसद ने इस आयोजन से जुड़े सभी आयोजकों, संतजनों, कथा व्यास आचार्य श्री रामाचार्य जी महाराज, सामाजिक कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं को इस पुनीत प्रयास के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ एवं साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान यज्ञ समाज को नैतिकता, प्रकृति-सेवा और सांस्कृतिक उत्थान के मार्ग पर आगे बढ़ाने वाला सराहनीय कदम ।इस अवसर पर ढाणी बोस्ती विश्नोईयान के ज्यादातर विश्नोई समाज के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे, जीव रक्षा सभा के प्रधान ईश्वर बोस्ती गौदारा, गांव बोस्ती के नंबरदार जय प्रकाश जांगड़ा मौजूद रहें।

जयपुर में 7 वाँ सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख सम्मान समारोह संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया। साइंस पार्क ऑडिटोरियम, शास्त्री नगर, जयपुर में शनिवार को भारतीय दलित साहित्य अकादमी राजस्थान महिला प्रकोष्ठ के द्वारा 7वाँ सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख सम्मान समारोह-2026 का आयोजन हुआ। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह के मुख्य अतिथि जिला विधिक प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा ने कहा कि आज के समय में भी महिलाओं के लिए कार्य करने की महती आवश्यकता हैं। पोश अधिनियम पर बात रखते हुए उन्होंने कहा कि कामकाजी महिलाओं के साथ कार्यस्थल होने वाले यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए इस कानून को लाया गया हैं। विशिष्ट अतिथि समाज कल्याण विभाग राजस्थान की पूर्व अध्यक्षा अर्चना शर्मा ने आयोजकों को सफल आयोजन की बधाई देते हुए कहा कि इस अकादमी द्वारा निरन्तर किए जा रहे आयोजन सामाजिक कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हैं। अतिथि बसंत हरियाणा, भारतीय दलित अकादमी के राष्ट्रीय सचिव बाबूलाल निर्मल, अकादमी के प्रदेश महासचिव भोमाराम बोस, हेमंत मीमरोठ, सुमन देवठिया, राजस्थान एकल नारी एवं महिला मंच की संरक्षक डॉ. मीता सिंह, सुप्यार चारण, चुन्नीलाल कुमावत, ओमप्रकाश ने भी प्रकाश डाला। भारतीय दलित साहित्य अकादमी राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा हेमलता कॉंसोटिया ने बताया समारोह का उद्देश्य शिक्षा, समानता और महिला अधिकारों के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना तथा कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनों पर जागरूकता फैलाना है। प्रदेश अध्यक्षा हेमलता कॉंसोटिया ने बताया कि सम्मान समारोह में कुल 90 विभूतियों का सम्मान किया गया। इसमें सावित्री बाई फुले सम्मान, फ़ातिमा शेख सम्मान, महात्मा ज्योतिबा फुले सम्मान एवं अतिथि सम्मान शामिल हैं। उन्होनें कहा कि भारत के 6 राज्य एवं राजस्थान के 16 जिलों से चयनित विभूतियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की हैं कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए आयोजकों ने कहा कि सावित्रीबाई फुले और फातिमा शेख का जीवन आज भी सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणा है। समारोह में पीओएसएच अधिनियम (कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न निषेध कानून) पर विस्तृत जानकारी दी गई। अधिवक्ताओं एवं विशेषज्ञों ने कानून की प्रक्रिया, शिकायत तंत्र और महिलाओं के अधिकारों पर प्रकाश डाला।

समारोह में राज्य के विभिन्न जिलों एवं अन्य प्रदेशों से चयनित सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिला अधिकार कार्यकर्ताओं एवं जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले व्यक्तियों को सावित्रीबाई, फातिमा शेख एवं महात्मा ज्योतिबा फुले विशेष सम्मान से नवाजा गया। सम्मान समारोह में देश भर से कुल 59 विभूतियों का सम्मान किया गया। प्राप्त आवेदनों मे चयन समिति द्वारा इनका चयन किया गया। आयोजन समिति द्वारा कहा गया कि ऐसे कार्यक्रम समाज में संवैधानिक मूल्यों, समानता और सम्मान की संस्कृति को मजबूत करते हैं समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं गीतों की प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम के अंत में अकादमी की प्रदेश अध्यक्षा हेमलता कांसोटिया ने सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। मंच संचालक कवि गौरव लाड़ना आजाद किया। इस दौरान भारतीय दलित साहित्य अकादमी बारा जिला प्रवक्ता भूपेंद्र यादव, कवि गौरव आजाद, लीलाधर सहित इत्यादि मौजूद थे।

बुनियादी चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार एवं निदेशक जन स्वास्थ्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें राजस्थान जयपुर के आदेशों की पालना में राज्य के सभी हेल्थ वर्कर एवं स्कूलों , कॉलेजों में बुनियादी चिकित्सा कौशल देने के लिए शनिवार को जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ में सीपीआर एवं फर्स्ट एड हेतु टीओटी एवं हैंड्स ऑन ट्रेनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन इंडियन रिस्यूसीटेशन काउंसिल फेडरेशन के अंतर्गत जैन कॉम्प्रेहेंसिव रिस्यूसीटेशन ट्रेनिंग सेंटर के द्वारा आयोजित किया गया। प्रशिक्षण वरिष्ठ निश्चेतन विशेषज्ञ एवं मास्टर ट्रेनर डॉ अनुपम महर्षि एवं महावीर प्रसाद गुर्जर द्वारा संपादित किया गया । इस अवसर जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ के निश्चेतन विशेषज्ञ डॉ सत्यपाल ढाका, डॉ झाबर मल जाट, डॉ विमल भूरिया, पीएमओ उप जिला चिकित्सालय नेछवा डॉ सुमन,नर्सिंग अधीक्षक मोहन खिंची, सीनियर नर्सिंग अधिकारी रामकरण ख्यालिया, परमेश्वर बेनीवाल, ट्रॉमा प्रभारी रामलाल महला समेत ब्लॉक लक्ष्मणगढ़, नेछवा एवं फतेहपुर के अनेकों चिकित्सा अधिकारी, सीनियर नर्सिंग अधिकारी एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहें।

अवैध खनन को लेकर ग्रामीणों का धरना 6 दिन से जारी है धरना

भीम प्रज्ञा न्यूज़. गुढ़ागौड़जी।

सुमेर मीणा । ग्राम हुकुमपुरा,बामलास,खेदड़ो की ढाणी,खरबासो की ढाणी में चल रहे अवैध खनन के विरुद्ध ग्रामीण 06 दिन से धरने पर बैठे है। मरुसेना के एडवोकेट जयन्त मूंड ने धरने को समर्थन देते हुए बताया कि इन गांवों में चल रही खानों में अवैध में खनन हो रहा है और बड़े पैमाने पर ब्लास्टिंग हो रही है जिससे आसपास के गांवों के घरों में दरारें पड़ रही है और इस अवैध खनन की कारण भू-जल स्तर गिर रहा है,पेड़-पौधे खराब हो रहे है। खनन से उड़ने वाली धूल और कणों के करण मानव,वनस्पति और पशुधन बर्बाद हो रहे है। मूंड ने बताया है कि दुर्भाग्य है कि सर्दियों में 06 दिन से किसान एवं पर्यावरणविद्द धरने पर बैठे है पर प्रशासन कोई सुध नही ले रहे है। इस धरने में पूर्व सरपंच गुढ़ा बावनी दारासिंह मेघवंशी ने बताया कि 04 गांवों की जनता बहुत दुःखी है और खनन माफियाओं ने अवैध उत्खनन करके आसपास का प्राकृतिक संसाधनों का भी नुकसान भी कर दिया एवं पहाड़ी को भी नुकसान पहुँचा रहे है। इस धरने में सवाई सिंह,लीलाधर मीणा,कैप्टेन विनोद सिंह,मनोज शर्मा, मोनम कुमावत,अब्दुल कायमखानी,नवीन,हरिराम सीथल,प्रदीप यादव,इंस्पेक्टर बीरबल राम,कजोड़मल, भादर बिजारणियां,नरेश सिंह, लीलाराम, पूरन मीणा, बनवारी लाल,आनंद सिंह,लालचंद मीणा, मुकेश सोहु, सुरेश खेदड़,रघुवीर बिजारणियां, सुरेन्द्र सिंह,कैप्टेन उम्मेद सिंह,पूरन कांटीवाल,अशोक शर्मा,शिमला देवी,जीवनी देवी,सिलोचना देवी,सुमन देवी सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

नशे से मुक्त रहने की दिलाई शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी सचिव अमित वर्मा ने बताया कि नशा मुक्ति हरियाणा मिशन के तहत शनिवार को नशे से मुक्त रहने की शपथ दिलाई गई। सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि नशा मुक्ति हरियाणा मिशन के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिले भर में जागरूकता कैंपों का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य नशे की लत से छुटकारा दिलाना है। उन्होंने बताया कि नशा, समाज, परिवार और युवाओं के भविष्य के लिए घातक है। इस योजना के तहत नशे से पीड़ित व्यक्तियों को कानूनी सहायता परामर्श एवं पुनर्वास केंद्र से जोड़ने तथा समाज में व्याप्त नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है। सचिव अमित वर्मा ने यह भी बताया कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा आमजन के लिए टोल फ्री नंबर 15100 एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी द्वारा एक हेल्पलाइन नंबर 01274-220 062 चलाया हुआ है जिस पर आम जन किसी भी प्रकार के कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती पर झुंझुनूं में भव्य आयोजन, मैराथन व रक्तदान शिविर में उमड़ा समाज

मैराथन दौड़, रक्तदान शिविर और विचार संगोष्ठी ने दिया सामाजिक चेतना का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बगड़।

माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं की ओर से देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं महान समाज सुधारक माता सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती के अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले सामुदायिक भवन, अशोकनगर में भव्य एवं रचनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाओं के समक्ष अतिथियों द्वारा पुष्प अर्पित कर भावनात्मक पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी ने की। मंच पर ओबीसी आयोग के सदस्य पवन मावंडिया,माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के संरक्षक मुरारी सैनी, खेतड़ी ब्लॉक अध्यक्ष देवाराम सैनी, सिंघाना ब्लॉक अध्यक्ष डीपी सैनी, संरक्षक राधेश्याम सैनी नवलगढ़,,रामलाल सैनी (बागोरा), जेपी सैनी (ब्लॉक अध्यक्ष उदयपुरवाटी), रमेश सैनी (सरपंच, नानूवाली बावड़ी), देवकरण सैनी (ब्लॉक अध्यक्ष, चिड़ावा), दलीप सैनी (महामंत्री), भामाशाह सुरेन्द्र सैनी, पिलानी ब्लॉक संयोजक लीलाधर विशनोलिया, पूर्व चेयरमैन सत्यवीर बरवड,सेठ महावीर सैनी एवं पंचायत समिति सदस्य नौरंग लाल बबाई मंचस्थ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संस्था के महामंत्री रतनलाल सैनी,उपाध्यक्ष बाबूलाल सैनी, काशीराम सैनी, एडवोकेट मोतीलाल सैनी,विधि सलाहकार एडवोकेट होशियार सिंह, मीडिया प्रभारी नरेश बगड़,प्रो हितेश सैनी, मीडिया प्रभारी नरेश सैनी, वरिष्ठ अध्यापक दलीप सैनी, विक्रम रतनशहर, सरपंच प्रतिनिधि अशोक सैनी, सरपंच संजय सैनी लाम्बा गोठडा, प्रधानाचार्य ओमप्रकाश सैनी, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य बिहारीलाल सैनी,सब इंस्पेक्टर सुनील सैनी, नवनीत सैनी, संगठन मंत्री अशोक सैनी, घनश्याम सैनी ने अतिथियों का स्वागत किया।

माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने अतिथियों का परिचय देते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कहा कि 19वीं शताब्दी में सावित्रीबाई फुले द्वारा किया गया शिक्षा और सामाजिक सुधार का कार्य आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने नारी शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के लिए उनके संघर्ष को आत्मसात करने का आह्वान किया। मंच से सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की जोरदार मांग भी उठी, जिस पर उपस्थित जनसमूह ने तालियों से समर्थन जताया। इससे पूर्व प्रातःकाल मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जिसे माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री, संरक्षक मुरारी सैनी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी,रक्तदान शिविर प्रभारी हितेश सैनी एवं वरिष्ठ अध्यापक दलीप सैनी, मैराथन प्रभारी विक्रम रतनशहर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मैराथन में अंडर 30 में कुलदीप सैनी विजयपुरा प्रथम, ओम सिंह द्वितीय,पंकज गजराज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।50 वर्ष से अधिक वरिष्ठ मैराथन में राजेन्द्र सैनी प्रथम, जयसिंह सैनी द्वितीय व मुकेन्द्र सैनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला दौड़ में पायल सैनी खुडाना प्रथम,हंसा सैनी द्वितीय, कविता ने ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मैराथन में क्रमशः एक से पांच तक स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को अतिथियों द्वारा मेडल, सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा तथा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के तहत मेट्रो अस्पताल, झुंझुनूं एवं सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर की चिकित्सकीय टीम द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं एवं समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। रक्तदाताओं का जोश और समर्पण देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर 183 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। अनेक मातृशक्ति ने भी रक्तदान कर सावित्रीबाई फुले को श्रद्धा से याद किया। मनीषा सैनी मेघसागर ने 5 वीं बार तो वेदप्रकाश सैनी ने 45 वी दफा रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में रेंजर अमित सैनी, सीबीआई इंस्पेक्टर अभिषेक सैनी,अमित विजयपुरा, सचिन डूंडलोद, सुमेर सैनी बड़ागांव, रत्तिराम सैनी बबाई, प्यारेलाल सैनी खुडाना, महेन्द्र सैनी बड़ागांव, होशियार सिंह मेघसागर,आमीर माखर,लतीफ बगड़, छोटेलाल नवलगढ़, गोकुल सैनी, गिरधारी सैनी, संगठन मंत्री बाघसिंह तोमर, बॉक्सर राकेश सैनी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन सावित्रीबाई फुले के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक समरसता को सशक्त करने के संकल्प के साथ हुआ। जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने समस्त अतिथियों, रक्तदाताओं, धावकों,रक्त संग्रहण टीमों तथा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का आभार एवं धन्यवाद तथा कार्यक्रम का संचालन किया।

सुमन वर्मा सावित्रीबाई फुले सम्मान-2026 से सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/चौमूं।

जयपुर शास्त्री नगर, साइंस पार्क ऑडिटोरियम में शनिवार को भारतीय दलित साहित्य अकादमी राजस्थान महिला प्रकोष्ठ के द्वारा 7वाँ सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख सम्मान समारोह-2026 आयोजन हुआ। समारोह में जिला विधिक प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा, समाज कल्याण विभाग राजस्थान की पूर्व अध्यक्षा अर्चना शर्मा, बसंत हरियाणा, भारतीय दलित अकादमी के राष्ट्रीय सचिव बाबूलाल निर्मल, अकादमी के प्रदेश महासचिव भोमाराम बोस, हेमंत मीमरोठ, सुमन देवठिया, राजस्थान एकल नारी एवं महिला मंच की संरक्षक डॉ. मीता सिंह, सुप्यार चारण, चुन्नीलाल कुमावत, ओमप्रकाश, भारतीय दलित साहित्य अकादमी राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा हेमलता कॉंसोटिया ने चौमूं तहसील के ग्राम टांकरडा निवासी सुमन वर्मा को सावित्रीबाई फुले सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया।

मंडावर में खंडेलवाल समाज की एकजुटता का प्रदर्शन, रमेश खंडेलवाल फिर बने अध्यक्ष

नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन,बसंतोत्सव 2026 को दो दिवसीय पर्व के रूप में धूमधाम से मनाने का निर्णय।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर के गढ़ रोड स्थित खंडेलवाल धर्मशाला में शनिवार को खंडेलवाल समाज की जनरल मीटिंग सामाजिक एकजुटता, संगठनात्मक अनुशासन और भावी योजनाओं के स्पष्ट संदेश के साथ संपन्न हुई। समाज की पुरानी कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद नवीन कार्यकारिणी के गठन के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता रमेश खंडेलवाल (मंडावर वाले) ने की, जिसमें समाज के सैकड़ों महिला-पुरुषों की सक्रिय भागीदारी रही। बैठक के दौरान महिला मंडल और समाज बंधुओं की अलग-अलग बैठकें भी हुईं, जिसके बाद संयुक्त रूप से हुई आम सहमति में रमेश खंडेलवाल को उनके मार्गदर्शन, कार्यशैली और संतुलित व्यक्तित्व को देखते हुए लगातार पुनः खंडेलवाल समाज मंडावर का अध्यक्ष चुना गया। चयन के उपरांत समाज की ओर से नवनियुक्त अध्यक्ष का साफा व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें उपाध्यक्ष पद पर अनिल बडाया व बनवारीलाल दुसाद, मंत्री पद पर राजेन्द्र बूसर, कोषाध्यक्ष पद पर पुनः मुकेश दुसाद तथा कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अनिल झालानी को जिम्मेदारी सौंपी गई। संरक्षक मंडल में त्रिपुरारी लाल ठाकुरिया व प्रभातीलाल दुसाद को शामिल किया गया, जबकि समाज के भवनों के रखरखाव की समिति में हरिनारायण कूलवाल, महेश बडाया, मनोज खंडेलवाल, संजय सामरिया व विजय झालानी को रखा गया। सलाहकार समिति में विजय झालानी, मोहित ताम्बी व संजय सामरिया को दायित्व दिया गया, वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राजेश बडाया, नटवर गुप्ता, प्रदीप चौधरी, संदीप दुसाद, विपुल झालानी, पुष्पेंद्र कट्टा व मदनमोहन बडाया को शामिल किया गया। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि महिलाओं की संख्या अपेक्षाकृत कम रहने के कारण महिला मंडल की कार्यकारिणी का गठन फिलहाल नहीं हो सका है, जिसे शीघ्र ही अलग बैठक बुलाकर पूर्ण किया जाएगा। नवनियुक्त अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने समाज बंधुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। बैठक का एक महत्वपूर्ण निर्णय आगामी बसंतोत्सव 2026 को समाज द्वारा दो दिवसीय पर्व के रूप में भव्यता के साथ मनाने का रहा, जिस पर सभी ने सामूहिक सहमति जताई। कार्यक्रम के समापन पर समाज के बैनर तले आयोजित पौष बड़ा कार्यक्रम में सभी ने पंगत में बैठकर सहभागिता निभाई और सामाजिक समरसता, भाईचारे व परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया। पूरे आयोजन के दौरान धर्मशाला परिसर सामाजिक चेतना, संगठनात्मक मजबूती और ग्रामीण परिवेश की सादगी से भरा नजर आया, जहां समाज के सैकड़ों महिला-पुरुषों की उपस्थिति ने खंडेलवाल समाज मंडावर की एकजुट शक्ति को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया।

कचरे में आग से फैल रहे प्रदूषण के खिलाफ ग्रामीणों का हल्ला, 15 दिन में कार्रवाई की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । उपखंड क्षेत्र के जनकसिंहपुरा फौलादपुर गांव के पास अज्ञात लोगों द्वारा कंपनियों से निकले अपशिष्ट पदार्थ को अवैध रूप से डालकर रात्रि के समय आग लगाए जाने से क्षेत्र में गंभीर प्रदूषण फैल रहा है। इस समस्या को लेकर शनिवार को फौलादपुर गांव के ग्रामीण युवाओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ह्ण्ण्द्ध) और उपखंड प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। सामाजिक कार्यकर्ता संदीप यादव के नेतृत्व में ग्रामीण युवाओं ने नारेबाजी करते हुए हाईवे किनारे अवैध रूप से कचरा डालने और उसमें आग लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। संदीप यादव ने बताया कि रात्रि में अपशिष्ट पदार्थ में आग लगाए जाने से क्षेत्र का वातावरण जहरीला हो रहा है, जिससे सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। आसपास के कुओं पर रहने वाले ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, उपखंड प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग से इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की है। युवाओं ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिन के भीतर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो पहले उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा, इसके बाद उपखंड कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान संदीप यादव, रवि यादव, राजेश यादव, राकेश यादव, धर्मवीर यादव उर्फ जसिया, विनोद यादव, प्रदीप यादव, अजीत यादव, ललित यादव, राजकुमार, अनिल कुमार, ललित कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा मौजूद रहे। मामले को लेकर प्रदूषण नियंत्रण मंडल के जिला अधिकारी राजकुमार सेहरा ने बताया कि ग्रामीणों के प्रदर्शन की जानकारी मिली है। हाईवे किनारे अपशिष्ट पदार्थ डालकर आग लगाए जाने से प्रदूषण फैलना एक गंभीर विषय है। इस संबंध में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, ग्राम पंचायत, नगर पालिका सहित संबंधित विभागों को पत्राचार कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सावित्रीबाई फुले जयंती पर डीपी सैनी ने किया 18वीं बार रक्तदान, समाजसेवा की मिसाल पेश की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

महिला शिक्षा एवं सामाजिक समानता की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में सामाजिक कार्यकर्ता डी पी सैनी ने रक्तदान कर समाजसेवा की प्रेरणादायी मिसाल पेश की। यह उनके जीवन का 18वां रक्तदान है। इससे पूर्व वे 2 अक्टूबर 2025 को सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार के जन्मदिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में 17वीं बार रक्तदान कर चुके हैं। गौरतलब है कि सिंघाना निवासी डी पी सैनी सामाजिक कार्यों एवं जनहित से जुड़े कार्यक्रमों में सदैव अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं। वे वर्तमान में सहयोग एक पहल संस्थान (NGO) के अध्यक्ष, नगर कांग्रेस कमेटी सिंघाना के अध्यक्ष, माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं (ब्लॉक-सिंघाना) के अध्यक्ष तथा विष्णुधाम जनकल्याण सेवा समिति सिंघाना के महासचिव के दायित्व का एक साथ निर्वहन कर रहे हैं। डी पी सैनी शिक्षा, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता एवं जरूरतमंदों की सहायता जैसे क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय रहते हुए समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। सावित्रीबाई फुले जयंती जैसे प्रेरणास्पद अवसर पर उनका यह रक्तदान समाज के लिए सेवा, समर्पण और मानवता का सशक्त संदेश है।

नर सेवा ही नारायण सेवा: श्री राम परिवार ने कच्ची बस्ती में मनाया नव वर्ष 2026

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

सेवा और समर्पण के भाव को सर्वोपरि रखते हुए, शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था 'श्री राम परिवार' ने नए साल 2026 का स्वागत एक अनूठे और प्रेरणादायक अंदाज में किया। संस्था के सदस्यों ने स्टेशन के पास स्थित कच्ची बस्ती में पहुँचकर वहां के निवासियों के साथ खुशियां बांटी और मानवता की मिसाल पेश की। श्री राम परिवार के अध्यक्ष सुरजीत सैनी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पूरी बस्ती के लिए गरमा-गरम 'श्रीराम प्रसाद' (भोजन) की व्यवस्था की गई। संस्था के सदस्यों ने न केवल बस्ती के लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन करवाया, बल्कि स्वयं भी उनके साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया, जिससे आपसी प्रेम और समानता का संदेश गया।

इस पुनीत अवसर पर परिवार के सदस्य अमित सैनी (गोलू) ने अपनी ओर से सराहनीय पहल करते हुए बस्ती के करीब 30 नन्हे-मुन्ने बच्चों को नए गर्म कोट भेंट किए।कड़कड़ाती ठंड में नया कोट पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और उनके अभिभावकों ने इस मदद के लिए संस्था का आभार व्यक्त किया। परंपराओं से हटकर श्री राम परिवार ने एक और प्रशंसनीय कार्य किया। संस्था के वर्ष 2026 के कैलेंडर का विमोचन किसी वीआईपी या अधिकारी से करवाने के बजाय, कच्ची बस्ती के निवासियों के हाथों करवाया गया। सदस्यों का मानना है कि समाज में कोई बड़ा या छोटा नहीं होता, और इन लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही वास्तविक उत्सव है। इस सेवा कार्य में सुनील शर्मा, मुकेश पारिक, नवीन सोनी, पवन शर्मा नवहाल, राजेश वर्मा, अमित चौटीया, कृष्ण स्वामी, धर्मेंद्र वर्मा, शेरा शर्मा, मनीष जांगिड़, देवेन्द्र वर्मा, सत्यनारायण (टीलू) वर्मा, मनोज शर्मा, अमित लाटा, डॉ . पवन योगी, पार्षद शशिकांत वर्मा, योगेश गुप्ता, चन्द्र मौली, मनीष और रजनीकान्त सहित श्री राम परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और अपना सक्रिय सहयोग दिया। बस्ती के बुजुर्गों और महिलाओं ने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए सभी सदस्यों को उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

कंप्यूटर कर्मचारी संघ की बैठक आयोजित, 12 जनवरी को जयपुर में प्रस्तावित महारैली में हुंकार भरेंगे आईटी कार्मिक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राजस्थान अधीनस्थ कंप्यूटर कर्मचारी संघ, जिला इकाई झुंझुनूं की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट स्थित आईटी केंद्र के सभागार में आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश नूनियाँ की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आईटी कार्मिकों की विभिन्न लंबित मांगों और भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आगामी 12 जनवरी को जयपुर में अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ के नेतृत्व में होने वाली विशाल महारैली में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही संघ ने मांग उठाई कि राज्य सरकार के जिन विभागों में जिला स्तर पर आईटी कैडर के पद सृजित नहीं हैं, वहां नए पद सृजित किए जाएं। इसके लिए जल्द ही जिला स्तर पर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक के दौरान संघ का लेखा विवरण प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त होने के कारण आगामी मार्च 2026 में नई जिला कार्यकारिणी के गठन पर भी

चर्चा हुई। संगठन की मजबूती के लिए सदस्यता शुल्क एकत्रित करने और नवनियुक्त सूचना सहायकों के स्वागत हेतु जिला स्तरीय स्नेह मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद कुमार, जितेंद्र कुमार बिशु, उपाध्यक्ष सुमन कुमारी, विकास शर्मा, प्रवक्ता उम्मेद कुमार सैनी, ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद सैनी, महिपाल मीणा, कपिल बाबल, रविंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, सह कोषाध्यक्ष अविनाश जांगिड़, सचिव आनंद कुमार, सलाहकार अशोक कुमार शामिल हुए। इनके साथ ही महिला विंग प्रभारी अनिता कुमारी, सुनीता पूनियाँ, नीलम कुमारी, नितेश शर्मा, सत्य प्रकाश, अशोक, जयसिंह सहित जिले भर से आए अनेक कर्मचारी उपस्थित रहें।

मंडावा में सावित्रीबाई फुले जयंती पर कार्यक्रम आयोजित, नारी शिक्षा व सुरक्षा पर दिया गया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

शीतलो का मोहल्ला वर्कशॉप मंडावा में भीम आर्मी भारत एकता मिशन के तत्वावधान में देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं महान समाज सेविका सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए भीम आर्मी शहर मंडावा के महासचिव नथमल चोपड़ा ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने अपने समय में पुरातनपंथ, कट्टरपंथ और जातिवाद का साहसपूर्वक सामना कर नारी शिक्षा की मजबूत नींव रखी। उनके संघर्ष और योगदान को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। भीम आर्मी तहसील उपाध्यक्ष सुदर्शन महरिया ने अपने संबोधन में महिलाओं की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज महिलाएं लगातार बढ़ते अपराधों के कारण न घर में सुरक्षित हैं और न ही बाहर। उन्होंने समाज से महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए एकजुट प्रयास करने का आह्वान किया। भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष मंडावा अजय वर्मा नुआ ने बताया कि कार्यक्रम में भीम आर्मी शहर मंडल अध्यक्ष अशोक किरोड़िया, चंद्रभान आर्य, सुशील राठी, दिनेश काला, मुकेश राठी, सुनील कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता अमित मीणा, राधेश्याम आर्य, कृष्ण कुमार राठी, अशोक खटनावलिया सहित बड़ी संख्या में भीम आर्मी कार्यकर्ता उपस्थित रहें। कार्यक्रम का समापन सावित्रीबाई फुले के विचारों को आत्मसात करने, नारी शिक्षा को बढ़ावा देने और सामाजिक समानता के लिए निरंतर संघर्ष का संकल्प लेकर किया गया।

प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे में बस स्टैंड पर स्थित कॉग्रेस कार्यालय में शनिवार को आधुनिक भारत की प्रथम शिक्षिका, नारी शिक्षा की प्रेरणा कुंज, क्रांति ज्योति सावित्री बाई फूले जी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर एडवोकेट केशर देव सैनी, अरावली चेतना संस्थान अध्यक्ष मोहन लाल सैनी, मीनू सैनी पार्षद प्रतिनिधि राकेश जमालपूरिया, बंटी खाड़ोलिया फूलचंद, पवन जड़िया ,बाबूलाल रामपुरा ,फूलचंद ,मनीष ,गोरूराम सैनी ,राजेश पारीक ,राम रतन सैनी ,एडवोकेट मेघराज सैनी व सर्व समाज के गणमान्य लोग और कार्यकर्ताओं उपस्थित थे।

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती पर संघर्ष समिति ने पुष्प अर्पित कर किया नमन

सावित्रीबाई फुले ने महिला शिक्षा के साथ साथ छुआछूत, सती प्रथा और बाल विवाह जैसी अनेक कुप्रथाओं के निवारण में निभाई अहम भूमिका

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

आधुनिक भारत की पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती समारोह का आयोजन सिटी मैरिज प्लेस में सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में किया गया। जयंती समारोह में सभी पदाधिकारियों द्वारा सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। बैठक का संचालन करते हुए समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था, दिल्ली के वाइस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित वर्गों और महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था। इनके पिता का नाम खन्दोजी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मीबाई था। सावित्रीबाई फुले का विवाह मात्र 09 साल की उम्र में 1841 में महात्मा ज्योतिराव फुले से हुआ था। सावित्रीबाई फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं। हरियाणा प्रदेश चमार महासभा के जिलाध्यक्ष अनिल फाण्डन, कोषाध्यक्ष प्यारेलाल चवन, पूर्व प्राचार्य अमर सिंह निम्होरिया, प्रमुख समाज सेविका सुनिता वर्मा, साहित्यकार भूप सिंह भारती, जन जाग्रति मंच के प्रधान जसवंत भाटी, मास्टर तारा चंद आदि ने कहा कि सावित्रीबाई का संघर्ष केवल शिक्षा तक ही सीमित नहीं था बल्कि इन्होंने छुआछूत, बाल विवाह और सती प्रथा जैसी कुरीतियों के खिलाफ डटकर लड़ाई लड़ी। इन्होंने विधवाओं के मुंडन को

रोकने के लिए नाईयों की हड़ताल आयोजित की और 'बालहत्या प्रतिबंधक गृह' की स्थापना की। इन्होंने दलितों और पिछड़ों के लिए अपने घर का पानी का हौद खोल दिया, जो उस समय के समाज में एक बहुत बड़ा क्रांतिकारी कदम था। अपने अध्यक्षीय भाषण में समिति प्रधान चन्दन सिंह जालवान ने कहा कि सावित्रीबाई एक संवेदनशील कवयित्री भी थीं। इनकी प्रसिद्ध कृतियों में 'काव्य फुले' और 'बावनकशी सुबोध रत्नाकर' शामिल हैं, जिसमें इन्होंने शिक्षा और समानता का संदेश दिया है। 1897 में जब पुणे में 'प्लेग' की महामारी फैली, तो वे रोगियों की सेवा करते हुए खुद इस बीमारी की चपेट में आ गईं और 10 मार्च 1897 को उनका निधन हो गया।

जयंती समारोह में अखिल भारतीय आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष लालाराम नाहर, गुरु रविदास सभा के पूर्व प्रधान बलबीर सिंह बबेरवाल, प्रदेश लेखा सचिव रामकुमार ढ़ेणवाल, मानव समाजसेवा फाउंडेशन के प्रधान जयपाल सिंह, सचिव सुमेर सिंह गोठवाल, कोहली सभा के प्रधान तोताराम, वाल्मीकि सभा के राजेश चांवरिया, अमरनाथ सिरोहा, गुगनराम सिरोहा, राजेन्द्र जलवान, हरिराम सिरोहा, महाबीर प्रसाद, प्रदीप वर्मा ,कन्हैयालाल, सिध्दार्थ, हरिसिंह कलोरिया, कालुराम, हजारी लाल खटावला, हरफूल सिंह, कोमल वर्मा, संध्या, मास्टर सत्यवीर सिंह हसनपुरिया, आशा वर्मा, अंबेडकर समिति के प्रधान विक्रम सिंह मांडैया आदि उपस्थित रहे।

देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत का झुंझुनूं दौरा आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत का झुंझुनूं जिले? के दौरे का कार्यक्रम 4 जनवरी 2026, रविवार को प्रस्तावित है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देवस्थान विभाग मंत्री सुबह 10 बजे जयपुर से प्रस्थान कर दोपहर 12:30 बजे झुंझुनूं पहुंचेंगे। झुंझुनूं पहुंचने के पश्चात मंत्री जोराराम कुम्हार समाज प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 में भाग लेंगे, जहां समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद वे दोपहर 2:30 बजे झुंझुनूं से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे तथा शाम 5 बजे जयपुर पहुंचेंगे।

जालपीवास में द्वितीय डे नाइट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । मुंडावर उपखंड क्षेत्र के गांव जालपीवास में द्वितीय डे नाइट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि विशाल यादव, बिजनेसमैन, और विशिष्ट अतिथि रूपेश हवेली, पंचायत समिति सदस्य, जगमाल सिंह यादव, पूर्व सरपंच गोपीपुरा, देशराज जी, पूर्व सरपंच गोपीपुर, भूप सिंह जी बोहरा, गोपीपुर, और कुलदीप चौधरी ने कार्यक्रम में शिरकत की। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपए और द्वितीय पुरस्कार 41 सौ रुपए रखा गया है। जीतने वाली टीम को 11 सौ रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।इस प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों ने भाग लिया है। पहला मैच नौवापुर और जानकीपुर की टीमों के बीच खेला गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग किया।

डॉ अम्बेडकर भवन में सावित्री बाई फूले जयन्ती मनाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय डॉ अम्बेडकर भवन में डॉ अम्बेडकर विचार मंच के तत्वाधान में देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं समाज सुधारक सावित्री बाई फूले जयन्ती समारोह पूर्वक मनाई गई । अध्यक्षीय उद्बबोधन में जिलाध्यक्ष अर्जुनलाल वर्मा ने सावित्री बाई फूले को महान समाज सुधारक बताया। मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष हरफूलसिंह कसवाली ने महिला शिक्षा के लिए प्रेरक बताया। प्रखर अम्बेडकर चिंतक व विचारक गणेशराम चौहान ने सावित्री बाई फूले के जीवन पर प्रकाश डाला तथा सामाजिक विषम परिस्थितियों में उपेक्षित वर्ग व महिला शिक्षा के लिए शुभारंभ करना बहुत बड़ी बात व संघर्ष बताया। तहसील अध्यक्ष भागीरथ मल फदनपुरा ने कहा कि सावित्री बाई को नमन करते हुए युग सुधारक महिला बताते हुए उपेक्षित वर्ग व महिलाओं के जो काम किया है पीढ़ीया याद रखेगी तथा सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक नेता शिवकुमार लुणीवाल ने किया। कार्यक्रम में रामचन्द्र रोलन,ई प्रशांत वर्मा,विनोद मेघवाल,परमेश्वर काला, राकेश माहिच, डॉ पंकज रोलन सहित कई गणमान्यों ने उपस्थित रहकर सावित्री बाई फूले को श्रद्धां सुमन अर्पित किए।

ग्राम मानका में 15 लाख की चारदीवारी का घटिया निर्माण, ग्रामीणों ने किया विरोध

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना उपखंड क्षेत्र के शाहजहांपुर - कस्बे के पास स्थित ग्राम मानका में सांसद कोटे से स्वीकृत 15 लाख रुपये की लागत से बन रही स्कूल की चारदीवारी का निर्माण कार्य विवादों में आ गया है। ग्रामीणों ने निर्माण में घटिया ईंटों और सीमेंट की कम मात्रा का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन कर कार्य रुकवा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि चारदीवारी का निर्माण हस्व्ह मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा था। आरोप है कि यह कार्य सरपंच की देखरेख में चल रहा था, इसके बावजूद गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि चारदीवारी इतनी कमजोर है कि भविष्य में बच्चों के खेलने के दौरान या लोगों के बैठने से बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि चारदीवारी क्षेत्र में श्मशान भूमि स्थित है, जहां बच्चों का दफन किया जाता है। चारदीवारी बनने के बाद अंतिम संस्कार को लेकर स्थान की समस्या उत्पन्न हो सकती है, जिस पर पहले भी आपत्ति दर्ज कराई जा चुकी थी। विरोध की सूचना मिलने पर सरपंच गोविंद वाल्मीकि मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि घटिया निर्माण को तुड़वाकर दोबारा गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाएगा। वहीं ठेकेदार सुरेंद्र यादव ने बताया कि यह निर्माण कार्य ग्राम पंचायत की देखरेख में किया जा रहा है। ईंटों की आपूर्ति में कमी के कारण कुछ हल्की ईंटें आ गई थीं, जिन्हें बदलकर कार्य पुनः शुरू किया जाएगा। फिलहाल ग्रामीणों ने निर्माण कार्य पर निगरानी रखने की मांग की है।

नीमराना में सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना कस्बे में शनिवार को सर्व समाज के सहयोग से देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की 195वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन कस्बे के होली टीबा पर सर्व समाज के तत्वावधान में किया गया। समारोह की शुरुआत सावित्रीबाई फुले के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर नमन करने के साथ हुई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के प्रेरणादायी जीवन, उनके संघर्ष और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों, भेदभाव और रूढ़िवादी सोच के बीच सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा की अलख जगाई और उसे समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया। विशेष रूप से महिला शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने सावित्रीबाई फुले के विचारों और आदर्शों को आत्मसात करने, शिक्षा के मार्ग पर आगे बढ़ने तथा समाज में समानता, जागरूकता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अशोक कुमार सैनी, परमानंद सैनी, थावरमल सैनी, नंदराम, हरिसिंह, घासी राम, एडवोकेट रविंदर सामरिया, एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी (नगर कांग्रेस, नगर पालिका नीमराना), सुभाष, मगुराम, सुरेश रेवाड़ीया, एडवोकेट प्राणसूख सैनी, राजू सांमरिया, अशोक कुमार दोराता, लक्ष्मी नारायण योगी (अध्यापक), प्रभुदयाल मास्टर, अजय मिश्रा, हनुमान सैनी, पवन कुमार सैनी, सुरेश चंद्र रेवड़ियां सहित अनेक समाजसेवी, बुद्धिजीवी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन सावित्रीबाई फुले के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाने के आह्वान के साथ किया गया।

8000 फीट लंबी विशाल मां शाकंभरी माता की चुनरी यात्रा में श्रद्धालु हुए शामिल

महिलाओं, पुरुषों व बच्चों ने मां शाकंभरी माता की चुनरी यात्रा में लिया बड चढ़कर हिस्सा

भव्य चुनरी यात्रा में देश के कोने-कोने से लोग हुए शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे में झुंझुनू रोड पर जमात में स्थित गणपति मैरिज गार्डन से शनिवार को प्राकट्य दिवस पर भव्य मां शाकंभरी माता की विशाल चुनरी यात्रा बड़े हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। 8 000 फीट लंबी भव्य विशाल चुनरी यात्रा गणपति मैरिज गार्डन से चुंगी नंबर तीन, नई सब्जी मंडी, घूम चक्कर ,शाकंभरी गेट से होकर शाकंभरी माता तक निकाली गई। शाकंभरी माता की भव्य विशाल चुनरी यात्रा का कस्बे के निवासियों व दुकानदारों ने जगह-जगह पर फूलों की बरसात करके स्वागत किया। इस विशाल मां शाकंभरी माता की चुनरी यात्रा में श्रद्धालु आसाम, कोलकाता ,गुजरात ,कानपुर सहित देश के कोने-कोने से लोग शामिल हुए । शनिवार को प्राकट्य दिवस पर 17 किलोमीटर की विशाल चुनरी पदयात्रा में लोग समर्पण व हर्ष उल्लास के साथ भाग लिया । शाकंभरी माता की विशाल चुनरी यात्रा में महिला और पुरुषों ने मां शाकंभरी माता के गीत गाती हुई आगे बढ़ रही थी। आयोजक मूलचंद सैनी के अनुसार इस मां शाकंभरी माता की विशाल चुनरी यात्रा में श्रद्धालु देश के कोने-कोने से पहुंचकर ,इस यात्रा को सफल बनाया। सभी भक्तगणों ने माता की भव्य चुनरी यात्रा में सहयोग देखकर पुण्य कमाया हैं। मां शाकंभरी माता की विशाल चुनरी यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन के साथ उदयपुरवाटी थाना अधिकारी रामपाल मीणा व्यवस्था में डटे हुए थे।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मणगढ़ में श्रद्धा के साथ मनाई देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती

लक्ष्मणगढ़ थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक राजाराम लेघा के मुख्य आतिथ्य व समाजसेवी अनिल बागड़ी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ जयंती समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

महान समाज सुधारक व देश की पहली महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की 195वीं जयंती शनिवार को समारोह यहां राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ में श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। पुलिस निरीक्षक व लक्ष्मनगढ थानाधिकारी राजाराम लेघा के मुख्य आतिथ्य व महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति के संरक्षक अनिल कुमार बागड़ी की अध्यक्षता में आयोजित जयंती समारोह में वक्ताओं ने मां सावित्री बाई फुले के द्वारा सामाजिक क्षेत्रों में किए गए महान कार्यों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलकर उपेक्षित व वंचित वर्ग के उत्थान व कल्याण के लिए कार्य करने का आव्हान किया तथा सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते रहने का संकल्प दिलाया। यह जानकारी देते हुए समिति के प्रवक्ता मनोज कुमार सैनी ने बताया कि इस अवसर पर लक्ष्मनगढ थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक राजाराम लेघा, समाजसेवी भामाशाह उधोगपति अनिल कुमार बागड़ी, राजकुमार कम्मा, भंवरलाल सांखला सेठों की कोठी, सैनी समाज के पूर्व अध्यक्ष पूर्णमल राकसिया, कर्मचारी नेता रामवतार फगोडिया, महेश गढ़वाल, प्रेम सिंह डोटासरा, समिति के संयोजक सज्जन कुमार सैनी, फाइनेंस कंसल्टेंट झाबरमल माली, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, योजना सलाहकार रामस्वरूप पीटीआई, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद कुमार सांखला सेठों की कोठी, मंत्री राकेश गौड़ पूर्व पार्षद, मंत्री मनोज कुमार सैनी धाभाईयों की ढाणी,भूमि प्रदाता विनोद गौड़, दीपक कटारिया, प्रवक्ता मनोज राकसिया, सदस्य महावीर जाजम, सुभाष सैनी अध्यापक, ताराचन्द गौड़, मनीष चुनवाल मावलियों की ढाणी, जयप्रकाश गौड़ सिंगोदडा, राजेश गौड़, अंकित गौड़ धाभाइयों की ढाणी, संदीप पीपलोदिया सेठों की कोठी, अनिल जाजम हेतमसर, अनिल पवार बलोद, मनीष बालन फ़तेहपुर, युवराज साँखला सेठों की कोठी, मनोज मेघवाल, अनिल मेघवाल सहित छात्रावास के पदाधिकारी सदस्य, प्रबुद्ध जन व विधार्थी मौजूद थे।

जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद डॉ अजय सिंह चौटाला का बयान

देश में अराजकता फैलाने का प्रयास- भाजपा सांसद सुभाष बराला

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने अजय सिंह चौटाला के दिए बयान की कड़ी भर्त्सना की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के वरिष्ठ नेता अजय सिंह चौटाला के ताजा बयान को देश में अराजकता फैलाने वाला बताते हुए उसकी कड़े शब्दों में भर्त्सना की। बराला ने कहा कि इस प्रकार के बयान यह स्पष्ट करते हैं कि इन नेताओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन नहीं है। बराला ने कहा कि इनका इतिहास देखकर यह निश्चित रूप से सामने आता है कि उन्होंने हमेशा अपने वोट बैंक को साधने के प्रयास में केवल राजनीति की है और विद्वेष फैलाने का काम किया है। उन्होंने यह भी कहा कि देश का युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के साथ आगे बढ़ते हुए आज एक नया भारत देखना चाहता है, जिसकी सोच 'वसुधैव कुटुंबकम' की ओर अग्रसर है और वह ऐसे किसी भी बहकावे में आने वाला नहीं है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि 2019 में जेजेपी ने युवाओं को गुमराह कर दस विधानसभा सीटें जीतीं, लेकिन वही युवा अब समझ चुका है और इस विधानसभा चुनाव में हरियाणा से जेजेपी का सूपड़ा साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि जेजेपी केवल युवाओं को भड़का कर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करती रही है, जिसका परिणाम आज स्पष्ट रूप से सामने आया है।बराला ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता ने तीसरी बार भाजपा पर विश्वास जताया और पूर्ण बहुमत से सरकार बनाई है। ऐसे में, अजय सिंह चौटाला का बयान उन मतदाताओं और आम जनता की भावनाओं का अपमान है जिन्होंने स्पष्ट रूप से अपने मत का प्रयोग कर सरकार चुनी है। उन्होंने कहा कि अगर जेजेपी को लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास होता तो वे इस प्रकार के भड़काऊ बयान नहीं देते। ये केवल तानाशाही में विश्वास रखते हैं, और हरियाणा की जनता इसे अच्छे से समझ चुकी है। सांसद ने याद दिलाया कि जब प्रदेश में इनकी सरकार थी, तब नौकरियों में भेदभाव की स्थिति बनी रहती थी, लेकिन जब प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार बनी तो युवाओं में विश्वास पैदा हुआ और मेरिट के आधार पर नौकरियाँ दी गई और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि इसी परंपरा को वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आगे बढ़ा रहे हैं और युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरियां दी जा रही हैं और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बराला ने स्पष्ट किया कि हरियाणा सरकार गरीब कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और प्रदेश को आर्थिक, सामाजिक तथा युवाओं को सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से आगे बढाया जा रहा है।

नशा मुक्त हरियाणा अभियान के तहत स्थानीय एडीआर सेंटर में नशे के खिलाफ शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश ददीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री की अध्यक्षता में नशा मुक्त हरियाणा अभियान के तहत स्थानीय एडीआर सेंटर में नशे के खिलाफ शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीजेएम गायत्री ने कहा कि नशा समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है जो विशेष रूप से युवाओं के भविष्य को अंधकार की ओर धकेल रहा है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। युवा देश की शक्ति है और यदि वहीं नशे की चपेट में आ जाता है तो राष्ट्र की प्रगति बाधित हो जाती है ऐसे में युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वंय नशे से दूर रहे और अपने आसपास के लोगों को भी इसके खिलाफ जागरूक करें और खेल, योग, पढ़ाई और रचनात्मक गतिविधियां युवाओं को नशे से दूर रखने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि समाज के हर व्यक्ति तक यह संदेश पहुंच सके। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों व पैनल अधिवक्ताओं ने नशे से दूर रहने की शपथ ग्रहण की।

गढ़ हिम्मतसिंह के प्राचीन वीर हनुमान मंदिर विकास को नई दिशा

सर्वसम्मति से आनंद जांगिड़ और रामनिवास सैनी बने व्यवस्थापक।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र के ग्राम गढ़ हिम्मतसिंह में स्थित प्राचीन वीर हनुमान मंदिर के समग्र विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से गठित बालाजी सेवा समिति की जनरल मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में मंदिर के वर्तमान एवं भावी विकास कार्यों की रूपरेखा, व्यवस्थापन और पारदर्शी निगरानी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समिति सदस्य अशोक प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से ग्राम के ही आनंद जांगिड़ और रामनिवास सैनी को मंदिर के समस्त विकास कार्यों की देखरेख, पूर्व योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों को व्यवस्थापक पद पर नियुक्त करते हुए यह दायित्व दिया गया है कि मंदिर परिसर के विकास से जुड़े सभी कार्य सुव्यवस्थित, समयबद्ध और श्रद्धालुओं की आस्था के अनुरूप पूर्ण हों। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि मंदिर विकास से जुड़े प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता, सामूहिक सहभागिता और परंपरागत गरिमा का विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि प्राचीन धार्मिक धरोहर का संरक्षण करते हुए आवश्यक सुविधाओं का विस्तार हो सके। बालाजी सेवा समिति ने नव-नियुक्त व्यवस्थापकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व और देखरेख में मंदिर विकास कार्य नई दिशा और गति प्राप्त करेंगे। ग्रामीणों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे आस्था, व्यवस्था और विकास के संतुलन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

पाकिस्तानी टीम की कोचिंग छोड़ने पर गिलेस्पी ने चुप्पी तोड़ी

कहा- पीसीबी ने मुझे अपमानित किया; 9 महीने के अंदर छोड़ा था पद

करांची (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज और कोच जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टेस्ट कोच पद से इस्तीफा देने को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने यह जिम्मेदारी 9 महीने से भी कम समय में छोड़ दी थी। गिलेस्पी का कहना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के कुछ फैसलों और उनके साथ किए गए व्यवहार की वजह से उन्हें खुद को अपमानित महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि इसी कारण उन्हें कोच पद छोड़ने का फैसला करना पड़ा। गिलेस्पी का कहना है कि उन्होंने टीम के खराब प्रदर्शन की वजह से नहीं, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के रवैये और अंदरूनी कामकाज के कारण पद छोड़ा। गिलेस्पी को अप्रैल 2024 में पाकिस्तान के टेस्ट क्रिकेट का हेड कोच नियुक्त किया गया था। उन्होंने दिसंबर 2024 में ही इस पद से इस्तीफा दे दिया था। शान मसूद के साथ जेसन गिलेस्पी (दाएं)। गिलेस्पी अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 तक पाकिस्तान के टेस्ट टीम के हेड कोच थे।

एसए20 में पहली बार सुपर ओवर

जॉबर्ग सुपर किंग्स की जीत, डरबन को 5 रन पर रोका

वांडरर्स (एजेंसी)। एसए20 लीग में गुरुवार, 1 जनवरी को वांडरर्स स्टेडियम में जॉबर्ग सुपर किंग्स और डरबन सुपर जायंट्स के बीच मुकाबले का फैसला सुपर ओवर से हुआ, जो टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार खेला गया। रोमांचक मुकाबले में जॉबर्ग ने सुपर ओवर में जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में टॉप पोजिशन हासिल कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जॉबर्ग सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 205 रन बनाए। कप्तान फाफ डु प्लेसिस (30 गेंद, 47 रन) और मैथ्यू डी विलियर्स (26 गेंद, 38 रन) ने 8.4 ओवर में 89 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इसके बाद अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शुभम रंजन ने 31 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए। उन्होंने डोनोवन फरेरा के साथ 16 गेंदों में 49 रन की नाबाद साझेदारी की। फरेरा ने 10 गेंदों में 33 रन ठोके। दूसरी ओर, डरबन के लिए नूर अहमद और साइमन हार्मर की स्पिन जोड़ी ने 8 ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट लिए। नूर अहमद ने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट झटके।

डरबन सुपर जायंट्स की ओर से बड़ी साझेदारी नहीं हुई - 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए डरबन सुपर जायंट्स की शुरुआत ठीक रही, लेकिन बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी। कप्तान एडन मार्करम (30 गेंद, 37 रन) और एवन जोन्स (17 गेंद, 43 रन) ने 24 गेंदों में 60 रन जोड़कर मुकाबला बराबरी की ओर ले गए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली

मेलबर्न, एजेंसी। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन 45 साल की वीनस विलियम्स को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के मेन ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। 2021 के बाद यह मेलबर्न पार्क में उनकी पहली मौजूदगी होगी और 2023 के बाद यह पहली बार होगा जब वह यूनाइटेड स्टेट्स के बाहर खेलेंगी। वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन मेन ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनेंगी। इससे पहले जापान की किमिको डेट का रिकॉर्ड टूट जाएगा, जो 44 साल की थीं जब वह ऑस्ट्रेलियन ओपन 2015 के पहले राउंड में हार गई थीं। वीनस ने कहा, 'मैं ऑस्ट्रेलिया वापस आकर बहुत खुश हूं और ऑस्ट्रेलियन गर्मियों में मुकाबला करने का इंतजार कर रही हूं। वहां मेरी बहुत सारी शानदार यादें हैं, और मैं उस जगह पर लौटने के मौके के लिए शुक्रगुजार हूं जो मेरे करियर के लिए बहुत मायने रखती है। 16 महीने के ब्रेक के बाद, वीनस पिछले जुलाई में टेनिस में लौटीं और 2025 में तीन टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। उन्होंने मुबाडाला सिटी डीसी ओपन में पहले राउंड में हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया, इससे पहले वह मैग्डेलेना फ्रेच से हार गई।

कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड से हारी

अगस्त में, विलियम्स सिनसिनाटी के पहले राउंड में स्पेन की जेसिका बौज़ास-मनेरो से 4-6, 4-6 से हार गईं और यूएस ओपन के पहले राउंड में 11वीं सीडेड कैरोलिन मुचोवा को तीन सेट तक ले गईं। डबल्स में, लेयला फर्नांडीज के साथ खेलते हुए, विलियम्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, जहां वे फाइनलिस्ट कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड से हार गईं।

शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। शोर्ड मारिन को भारतीय महिला हॉकी टीम का नया कोच बनाया गया है। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। टोक्यो ओलंपिक में शोर्ड मारिन की कोचिंग में ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने प्रदर्शन से दुनियाभर के खेल प्रेमियों का दिल जीता था और चौथे स्थान पर रही थी। शोर्ड मारिन ने बतौर कोच नियुक्ति के बाद कहा, 'वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। 4.5 साल बाद, मैं टीम के विकास में मदद करने और खिलाड़ियों को वैश्विक स्टेज पर अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलने का हौसला और मौका देने के सपने के साथ लौटा हूं।' मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच रह चुके हैं। हॉलैंड के शोर्ड मारिन 14 जनवरी को भारत आएंगे।

नेशनल कोचिंग कैंप 19 जनवरी को साई, बेंगलुरु में शुरू होने वाला है। हेड कोच के तौर पर मारिन की पहली बड़ी चुनौती हैदराबाद में होने वाली हॉकी महिला वर्ल्ड कप क्वालिफायर होगा, जो 8-14 मार्च, 2026 तक होने वाला है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम शोर्ड मारिन और पूरे सपोर्ट स्टाफ का इंडियन हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और साई का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने नियुक्ति में तेजी लाई ताकि आने वाले विश्व कप क्वालिफायर के लिए टीम की तैयारियों में कोई रुकावट न आए। उन्होंने आगे कहा, 'टीम की फिटनेस पर जोर दिया गया है, जो टोक्यो में इंडियन विमेंस के ऐतिहासिक प्रदर्शन का एक मुख्य कारण था। हम एक अच्छे समय की उम्मीद करते हैं। शोर्ड मारिन को एनालिटिकल कोच के तौर पर मटियास विला मदद करेंगे। डॉ. वेन लोम्बार्ड भी साइंटिफिक एडवाइजर और एथलेटिक परफॉर्मेंस के हेड के तौर पर भारतीय महिला कोचिंग सेटअप में लौट रहे हैं। उन्हें साइंटिफिक एडवाइजर की भूमिका में रोडेट विला और सियारा विला का सपोर्ट मिलेगा। मटियास विला अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर हैं। 1997 में डेब्यू करने वाले इस खिलाड़ी ने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 एथेंस ओलंपिक में हिस्सा लिया था और लगभग दो दशकों से कोचिंग से जुड़े हुए हैं।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए यह हो सकती है भारत की वनडे टीम

कप्तान शुभमन वापसी करेंगे, श्रेयस अनफिट; क्या हार्दिक और बुमराह को फिर मिलेगा आराम?

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम 3 या 4 जनवरी को अनाउंस होनी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज इसमें खेलते नजर आएंगे, लेकिन हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। इंजरी के कारण साउथ अफ्रीका से वनडे नहीं खेल सके कप्तान शुभमन गिल भी वापसी करने वाले हैं। हालांकि, उप कप्तान श्रेयस अय्यर अब भी अनफिट हैं और उनका न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलना भी मुश्किल ही लग रहा है।

शुभमन खेलेंगे, श्रेयस की वापसी मुश्किल -कप्तान शुभमन गिल पिछले साल नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेल सके थे। वे टेस्ट सीरीज में इंजर्ड हो गए थे, लेकिन उन्होंने टी-20 सीरीज में वापसी कर ली थी। ऐसे में वे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में वापसी करने के साथ टीम की कमान भी संभालते नजर आएंगे। इसी साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर भी इंजर्ड हो गए थे। उन्हें कंधे में चोट लगी थी, इस कारण वे पिछले 3 महीने से क्रिकेट से दूर हैं। वे फिलहाल बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें अब तक फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं मिला है, इसलिए वे न्यूजीलैंड सीरीज से भी बाहर रहेंगे।

कौन होगा बैकअप ओपनर?

शुभमन की वापसी से टॉप-3 पोजिशन फिक्स हो चुकी है। ऐसे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करने वाले लेफ्ट हैंडर यशस्वी जायसवाल को बाहर किया जा सकता है। प्लेइंग-11 के कॉम्बिनेशन को देखते हुए उन्हें स्क्वॉड से भी बाहर कर सकते हैं। यशस्वी की जगह विकेटकीपर बैटर ईशान किशन को शामिल किया जा सकता है। जिन्हें घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद टी-20 वर्ल्ड कप की टीम में भी जगह मिल गई। ईशान मिडिल ऑर्डर में भी बैटिंग कर लेते हैं और विकेटकीपर केएल राहुल के लिए बेहतरीन बैकअप ऑप्शन साबित हो सकते हैं।

नंबर-4 पर कौन बैटिंग करेगा?

श्रेयस की इंजरी के कारण टीम इंडिया में नंबर-4 की पोजिशन फिक्स नहीं है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऋतुराज गायकवाड ने इस पोजिशन पर बैटिंग करते हुए एक शतक लगाया था। ऐसे में उन्हें फिर एक बार इस पोजिशन पर मौका दिया जा सकता है।

एशेज- सिडनी टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान

12 सदस्यीय टीम में बशीर-पॉट्स को मौका, एटकिंसन चोट की वजह से बाहर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच के लिए शुक्रवार को 12 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह मुकाबला 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 3-1 से आगे है। इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट की टीम से दो बदलाव किए हैं। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर और तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को टीम में शामिल किया गया है। 22 साल के शोएब बशीर ने 2024 में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 19 टेस्ट मैचों में 68 विकेट ले चुके हैं। बशीर ने टेस्ट करियर में दो बार चार विकेट और चार बार पांच विकेट हॉल भी लिए हैं। मौजूदा एशेज सीरीज में यह पहली बार है जब इंग्लैंड ने किसी स्पेशलिस्ट स्पिनर को टीम में जगह दी है। इससे पहले ऑलराउंडर विल जैक्स ही स्पिन ऑप्शन थे। वहीं 27 साल के मैथ्यू पॉट्स ने जून 2022 में लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। अब तक उन्होंने 10 टेस्ट मैचों में 36 विकेट लिए हैं। पॉट्स के नाम भी दो चार विकेट हॉल दर्ज हैं।

ख्वाजा का आखिरी इंटरनेशनल मैच

इस बीच, पांचवें टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा ने भी पुष्टि की है कि वह सिडनी टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। 39 साल ख्वाजा ने अपने टेस्ट करियर में 87 मैचों में 6206 रन बनाए हैं, जिसमें 16 शतक और 28 अर्धशतक शामिल हैं।

अश्विन बोले- कोहली-रोहित के बाद वनडे और कमजोर हो जाएगा

• टी-20 वर्ल्डकप के शेड्यूल पर भी सवाल उठाया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन का कहना है कि 2027 वर्ल्ड कप के बाद वनडे पर संकट आ सकता है। क्योंकि, तब विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार संन्यास ले लेंगे। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप के शेड्यूल पर भी सवाल उठाया है। 39 साल के अश्विन ने गुरुवार को कहा- 2027 वर्ल्ड कप के बाद वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर मैं चिंतित हूं। मैं विजय हजारे ट्रॉफी देख रहा हूं, लेकिन मैंने जैसे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी देखी, उसी तरह इसे देख पाना मुश्किल है। विराट-रोहित की विजय हजारे ट्रॉफी में भागीदारी चर्चा में रही है। अश्विन का मानना है कि बढ़ती टी20 लीग और टेस्ट क्रिकेट की अपनी अलग अहमियत से 50 ओवर के फॉर्मेट के लिए जगह लगातार कम होती जा रही है। आज-कल हर दौरे में वनडे मैचों की संख्या कम हो रही है, जबकि टी-20 मैच ज्यादा खेले जा रहे हैं। उदाहरण के लिए न्यूजीलैंड के भारत दौरे को ही देख लीजिए...इसमें 3 वनडे और 5 टी-20 मैच होने हैं।

उन्होंने कहा-हमें यह समझना होगा कि फैंस क्या देखना चाहते हैं। मुझे लगता है टेस्ट क्रिकेट के लिए अब भी जगह है,

लेकिन वनडे क्रिकेट के लिए सच में जगह नहीं बची है। इंटरनेशनल क्रिकेट में 765 विकेट लेने वाले अश्विन का कहना है कि विराट और रोहित के संन्यास के बाद वनडे प्रारूप और भी कमजोर हो जाएगा। अगर आप वनडे को रिलेवेंट बनाना चाहते हैं तो ये टी20 लीग खेलिए और 4 साल में सिर्फ एक बार वनडे वर्ल्ड कप कराइए। जब लोग इसे देखने आएंगे तो उनके अंदर उत्साह और उम्मीद होगी। मुझे लगता है कि वनडे क्रिकेट धीरे-धीरे खत्म होने की ओर बढ़ रहा है।

विराट-रोहित के कारण विजय हजारे देखने लगे लोग -रोहित-विराट जब विजय हजारे ट्रॉफी खेलने आए तो लोगों ने इसे देखना शुरू किया। हमें पता है कि खेल हमेशा खिलाड़ियों से बड़ा होता है, लेकिन कई बार खेल की रिलेवेंसी के लिए बड़े प्लेयर्स की वापसी की जरूरत होती है। विजय हजारे ट्रॉफी एक घरेलू वनडे टूर्नामेंट है, जिसे ज्यादा लोग नहीं देखते। लेकिन विराट और रोहित के खेलने की वजह से लोग इसे देखने पहुंचे। फिर सवाल यह है कि जब वे वनडे खेलना बंद कर देंगे, तब क्या होगा? धोनी जैसे प्लेयर नहीं, वैसी बैटिंग की जरूरत भी नहीं इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि एक समय 50 ओवरों का क्रिकेट एक शानदार फॉर्मेट हुआ करता था। इससे एमएस धोनी जैसे खिलाड़ी सामने आए। जो पारी को संभालना जानते थे।

नीदरलैंड के सोर्ड मारिन बने भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को शुक्रवार को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम तोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर

रही थी। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है। अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर विला ने 1997 में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था। उन्होंने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह दो दशकों से अधिक समय से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। भारतीय हॉकी टीम में वेन लोम्बार्ड की भी वापसी हो रही है, जो वैज्ञानिक सलाहकार और खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। उन्हें इसमें रोडेट इला और सियारा इला का सहयोग मिलेगा जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। मारिन ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा, 'भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद कर सकूं। मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुआ था। मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाला महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। मारिन 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि राष्ट्रीय कोचिंग शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बेंगलुरु स्थित परिसर में 19 जनवरी को शुरू होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम सोर्ड मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आगामी विश्व कप क्वालीफायर को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया। टीम की फिटनेस पर विशेष जोर दिया गया है।

संतोष ट्रॉफी 21 जनवरी से होगी शुरु, 12 टीमों के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी 2025-26 असम के ढकुआखाना और सिलापाथर देश भर की 12 फुटबॉल टीमों के बीच 21 जनवरी से 8 फरवरी तक खेली जाएगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने इस महीने शुरू होने वाली संतोष ट्रॉफी के फाइनल ड्रा की घोषणा की है। इस चैंपियनशिप में शामिल 12 टीमों को ए और बी ग्रुप में बांटा गया है। ए ग्रुप में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तराखंड, नागालैंड और राजस्थान है। जबकि ग्रुप बी में केरल, सर्विसेज, पंजाब, ओडिशा, रेलवे और मेघालय है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले ढकुआखाना और सिलापाथर में खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप की शुरुआत 1941 में हुई थी और पश्चिम बंगाल ने संतोष ट्रॉफी का रिकॉर्ड 32 बार खिताब जीता है।

रणवीर सिंह के बाद कौन होगा डॉन 3 का लीड हीरो, ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार

पिछले हफ्ते कई मीडिया रिपोर्ट्स में खबर आई कि रणवीर सिंह फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 से बाहर हो गए हैं, लेकिन अभिनेता या प्रोडक्शन टीम ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वहीं हाल ही में जानकारी आई है कि इस फिल्म के लीड हीरो के लिए तलाश शुरू हो चुकी है, जिसमें सबसे पहला नाम इस हैंडसम एक्टर का है।

रणवीर सिंह की जगह कौन?

एक खबर के अनुसार फिल्म के निर्माता डॉन 3 के लिए एक बड़े स्टार की तलाश कर रहे हैं। इसमें ऋतिक रोशन सबसे मजबूत दावेदार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता वॉर 2 के हीरो ऋतिक को इस मशहूर डॉन फ्रेंचाइजी का नया चेहरा बनाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। डॉन 3 के मुख्य अभिनेता को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

फरहान अख्तर की पहली पसंद ऋतिक थे

पिछले साल एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने बताया कि डॉन 2 के लिए उन्होंने पहले ऋतिक रोशन से वादा किया था। फरहान और ऋतिक ने साथ में फिल्म लक्ष्य की थी, इसलिए फरहान ने ऋतिक को स्क्रिप्ट सुनाने का प्लान बनाया। लेकिन स्क्रिप्ट लिखते समय फरहान को लगा कि यह रोल शाहरुख खान के लिए ज्यादा सूट करेगा। फरहान ने ऋतिक को फोन करके यह बात बताई। ऋतिक ने बहुत अच्छे से कहा, फरहान, तुम अपनी बेस्ट फिल्म बनाओ। अगर शाहरुख सही लग रहे हैं, तो उनसे करो। मेरी चिंता मत करो। फरहान ने इसे बहुत विनम्र व्यवहार बताया।

रणवीर सिंह के डॉन 3 से बाहर होने की खबरें आने के बाद अफवाहें उड़ीं कि उनकी फिल्म धुरंधर की सफलता के कारण ऐसा हुआ। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि निर्माताओं से मांगों पर मतभेद हुआ, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग में देरी हो सकती है।

शिल्पा शिंदे के बाद 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में सौम्या टंडन की वापसी? एक्ट्रेस ने दिया जवाब

टीवी के सबसे लोकप्रिय कॉमेडी शोज में शुमार 'भाबीजी घर पर हैं' एक बार फिर सुर्खियों में है। शो के नए वर्जन 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में शिल्पा शिंदे की वापसी ने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। इसी के साथ सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गलियारों में यह चर्चा भी तेज हो गई कि क्या शो की पहली 'गोरी मैम' यानी सौम्या टंडन भी एक बार फिर दर्शकों के सामने लौट सकती हैं। अब इन कयासों पर खुद सौम्या टंडन ने चुप्पी तोड़ी है। सौम्या ने अटकलों पर लगाया विराम शिल्पा शिंदे की वापसी के बाद से ही फैंस पुराने किरदारों को फिर से देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। खासतौर पर सौम्या टंडन, जिन्होंने अनीता नारायण मिश्रा के किरदार से घर-घर में पहचान बनाई थी, उनकी वापसी की खबरों ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी। हालांकि, इन अटकलों पर विराम लगाते हुए सौम्या ने साफ कर दिया है कि वह फिलहाल इस शो का हिस्सा बनने नहीं जा रही हैं। सौम्या टंडन ने दिया जवाब जूम टीवी के साथ इंटरव्यू के दौरान सौम्या टंडन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनका 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में लौटने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने बताया कि वह अपने करियर में आगे बढ़ चुकी हैं और इस समय दूसरे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उनके मुताबिक, जब वह किसी नए रास्ते पर आगे बढ़ चुकी हैं, तो पुराने शो में वापसी का सवाल ही नहीं उठता। गौरतलब है कि सौम्या टंडन ने साल 2020 में 'भाबीजी घर पर हैं' को अलविदा कह दिया था। उनके जाने के बाद शो में अनीता भाभी के किरदार को पहले नेहा पेंडसे ने निभाया और फिर विदिशा श्रीवास्तव इस रोल में नजर आईं। हालांकि, सौम्या की लोकप्रियता ऐसी रही कि आज भी दर्शक उन्हें उसी किरदार में याद करते हैं।

धुरंधर में नजर आईं सौम्या टंडन

टीवी के अलावा सौम्या टंडन ने अब फिल्मों की ओर भी कदम बढ़ा दिया है। हाल ही में वह फिल्म 'धुरंधर' में नजर आईं, जहां उन्होंने अक्षय खन्ना के किरदार की पत्नी की भूमिका निभाई थी। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद उनके अभिनय को सराहा गया। सौम्या ने यह भी संकेत दिया कि फिल्म के सीक्वल 'धुरंधर 2' में उनकी भूमिका ज्यादा बड़ी नहीं होगी, क्योंकि कहानी के अनुसार उनके किरदार की मौत पहले ही हो चुकी है। हालांकि, दर्शकों को उनकी झलक जरूर देखने को मिलेगी। बताया जा रहा है कि 'धुरंधर पार्ट 2' अगले साल मार्च में रिलीज होगी, जिसमें रणवीर सिंह के किरदार की बैकस्टोरी पर ज्यादा फोकस किया जाएगा। पहले पार्ट को रिलीज हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन फिल्म का क्रेज अब भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है।

रश्मिका ने फिल्मी इंडस्ट्री में अपनी सफलता का श्रेय फैंस को दिया?

रश्मिका मंदाना ने फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर उन्होंने खास लोगों के लिए एक भावुक संदेश शेयर किया। उन्होंने अपने पूरे सफर में मिले प्यार और समर्थन के लिए सभी का शुक्रिया अदा किया।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म इंडस्ट्री में नौ साल पूरे होने पर अपने फैंस और सभी शुभचिंतकों के सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 9 साल, अभी भी विश्वास नहीं हो रहा। 26 फिल्मों के बाद मुझे सबसे ज्यादा गर्व अपने काम पर नहीं, बल्कि इस सफर में मिले परिवार पर है। सारा प्यार, धैर्य, विश्वास और हर छोटा-बड़ा पल, ये सब मेरे दिल को खुशी से भर देते हैं।

फैंस को दिया सफलता का क्रेडिट

रश्मिका ने आगे लिखा, आज आपके मैसेज और पोस्ट पढ़कर दिल बहुत खुश हुआ। हर मुश्किल और खुशी के समय में साथ देने के लिए शुक्रिया। मैं आपकी वजह से ही यहां तक पहुंची। मुझे वैसी ही स्वीकार करने और इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। हमारा रिश्ता अब सिर्फ एक्टर-फैन से बहुत आगे का है। आप मेरे लिए परिवार जैसे हैं। उम्मीद है ये रिश्ता हमेशा बना रहे और मैं आगे भी अच्छा काम करती रहूं। आप सबके लिए ढेर सारा शुक्रिया। आपकी रश्मिका।

रश्मिका का वर्कफ्रंट

रश्मिका मंदाना नई फिल्म मैसा में नजर आएंगी। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था। 'मैसा' का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। इस फिल्म को अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म है।

'इक्कीस' के लिए क्यों रिजेक्ट हुए वरुण धवन? अगस्त्य नंदा कैसे बने पहली पसंद

'इक्कीस' की रिलीज से पहले इसके डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने फिल्म को लेकर कई बातें साझा की हैं। हालिया दिए गए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वरुण धवन भी फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए एक्साइटेड थे लेकिन एक वजह से उनका सेलेक्शन नहीं हुआ। साथ ही डायरेक्टर ने यह भी बताया कि लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के रोल में अगस्त्य नंदा को ही क्यों कास्ट किया गया।

इस वजह से रिजेक्ट हुए वरुण धवन

हाल ही में 'द हिंदू' को दिए इंटरव्यू में श्रीराम राघवन कहते हैं, 'वरुण धवन फिल्म 'इक्कीस' के लिए एक्साइटेड थे। हमने इस पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन जब तक शुरुआती स्क्रिप्टिंग पूरी हुई, कोविड आ गया और प्लान बदल गए। जैसे-जैसे स्क्रिप्ट आगे बढ़ी, हमें अहसास हुआ कि कहानी के लिए एक्टर की उम्र एक अहम फैक्टर है। कुछ सीन में लीड कैरेक्टर अरुण खेत्रपाल सिर्फ 19 साल के हैं। ऐसे में हमें फिल्म की कहानी के लिए एक नए चेहरे की जरूरत थी।'

क्यों चुने गए अगस्त्य नंदा?

डायरेक्टर श्रीराम राघवन बताते हैं कि जब अगस्त्य नंदा को कास्ट किया गया, तब वह 21 साल के थे, जिससे वह रोल के लिए ज्यादा सही लगे। साथ ही डायरेक्टर ने कहा कि अगस्त्य नंदा में एक और खासियत थी, जिसे वजह से वह सेलेक्ट हुए। श्रीराम राघवन कहते हैं, 'मुझे उनकी आंखों में मासूमियत दिखती थी।'

क्या है फिल्म 'इक्कीस' की कहानी

फिल्म 'इक्कीस' की कहानी एक यंग आर्मी ऑफिसर अरुण खेतरपाल की है। महज 21 साल की उम्र में देश के लिए इस सैन्य अधिकारी ने बलिदान दिया था। फिल्म में अभिनेता धर्मेंद्र ने आर्मी ऑफिसर के पिता का किरदार निभाया। यह दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है।

'हाउसफुल 5' और 'धुरंधर' की आलोचनाओं पर चित्रांगदा ने कहा...

अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' की महिला किरदारों को अजब तरह से दिखाने को लेकर काफी आलोचनाएं हुईं। फिल्म में महिला किरदार को सिर्फ एक ऑब्जेक्ट के तौर पर दिखाया गया था और उनके कई भद्दे सीन भी थे। कई लोगों का कहना था कि फिल्म में दिखाए गए चुटकुले ज्यादातर महिलाओं के शरीर पर ही टिप्पणियां थीं। इन आलोचनाओं पर अब फिल्म का हिस्सा रहीं अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने प्रतिक्रिया दी है।

सीन को पर्दे पर दिखाना निर्देशक का काम

बातचीत के दौरान चित्रांगदा सिंह ने फिल्म की आलोचनाओं को लेकर कहा कि जब लोगों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हुईं तो उन्होंने उन पर गौर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब आप स्क्रिप्ट सुनते हैं, तो आपको शॉट ब्रेकडाउन नहीं बताया जाता। आप सिर्फ उतना ही कल्पना कर पाते हैं, जितना स्क्रिप्ट में लिखा होता है। इसके अलावा किसी सीन को पर्दे पर कैसे दिखाया जाए, यह निर्देशक ही तय करता है। आगे महिलाओं की भूमिकाओं को लेकर उन्होंने कहा कि महिलाओं को अक्सर मजबूत भूमिकाएं मिलने से पहले ग्लैमरस भूमिकाओं में खुद को साबित करना पड़ता है। हालांकि, मैं इनमें से किसी भी बात को सही ठहराने की कोशिश नहीं कर रही हूं। लेकिन मुझे लगता है कि हर अभिनेता का अपने अभिनय पर एक सीमित नियंत्रण होता है। हालांकि, कभी-कभी महिलाओं से जुड़ी फिजिकल कॉमेडी देखना थोड़ा अनकंफर्टेबल लगता है।

काफी पेचीदा है कॉमेडी

कॉमेडी को पेचीदा बताते हुए चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी चुटकुले लोगों को हंसाते हैं और वे हंसते हैं। कभी-कभी नहीं हंसते। जब चुटकुले असरदार नहीं होते, तभी लोग आलोचना करने लगते हैं। जिम कैरी और एडी मर्फी जैसे अभिनेताओं की फिल्मों में भी बोल्ड फिजिकल कॉमेडी थी और लोगों ने उन्हें पसंद किया। ऐसे सीन पहले भी हुआ करते थे।

'धुरंधर' को लेकर चित्रांगदा ने कहा कि कभी-कभी जब धुरंधर जैसी फिल्म आती है, तो कुछ लोग इसे सिर्फ हिंसात्मक सीन वाली फिल्म के रूप में देखते हैं, लेकिन यही तो कहानी कहने का तरीका है। हर जॉनर की अपनी एक अलग स्टाइल होती है। मैं इस पर कोई राय नहीं देती। यह दर्शकों और उनके विवेक के ऊपर है कि वे फिल्म देखें या न देखें या इससे सहमत हों या न हों। कभी-कभी हम कुछ ज्यादा ही आलोचनात्मक हो जाते हैं। लेकिन आपको इसे सही नजरिये से देखना चाहिए और इसे कुछ सिनेमाई छूट देनी चाहिए।

'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आएंगी चित्रांगदा

वर्कफ्रंट की बात करें तो साल 2025 में चित्रांगदा की चार फिल्में रिलीज हुईं। इनमें परिक्रमा, हाउसफुल 5, खाकी- द बंगाल चैप्टर और रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स शामिल हैं। हालांकि, 'हाउसफुल 5' को छोड़कर बाकी सारे प्रोजेक्ट्स ओटीटी पर ही रिलीज हुए। वो आखिरी बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी और राधिका आप्टे के साथ नेटफ्लिक्स की फिल्म में 'रात अकेली है- द बंसल मर्डर' में नजर आई थीं। अब वो सलमान खान के साथ 'बैटल ऑफ गलवां' में दिखाई देंगी।

अमर शहीद कंवरपाल सिंह चौहान का 17वां शहादत दिवस धूमधाम से मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । उपखंड क्षेत्र के कुतीना गांव में शनिवार को अमर शहीद कंवरपाल सिंह चौहान का 17वां शहादत दिवस मनाया गया। शहीद के बलिदान को नमन करते हुए आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुंडावर विधायक ललित यादव ने कहा कि वीर जवानों की सेना के कारण आज हम सुरक्षित हैं। सेना के जवान हमारे सच्चे प्रहरी हैं और हमारे लिए अपनी छाती पर गोली खाकर हमारी सेवा करते हैं। शहीद कंवरपाल सिंह चौहान के बड़े भाई पूर्व सैन्य अधिकारी कौशल सिंह चौहान ने बताया कि शहीद ने देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर किए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विकास सिंह महासचिव अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा दिल्ली, डॉक्टर जलदीप सिंह पथिक पूर्व उप निदेशक आयुष विभाग राजस्थान, भाजपाअलवर उत्तर पूर्व जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह भाया, योगेश सिंह चौहान सरपंच, जिंदा शहीद स्मारक मुकेश चौहान, जिला पार्षद वेद प्रकाश खबरी, जयप्रकाश झाबर एवं संदीप यादव फौलादपुरिया, जसाई पंडित वीरेंद्र शर्मा, सरपंच संघ प्रदेश उपाध्यक्ष उमाशंकर यादव, समाजसेवी शंकर सिंह चौहान बटाना, सूबेदार मेजर रणधीर सिंह यादव, गोपाल सिंह राजावत रहे। कार्यक्रम

की अध्यक्षता बाबा राम कुमार नाथ जति आश्रम कुतीना के द्वारा की गई। मंच संचालन सरपंच रविंद्र सिंह चौहान ने किया। अतिथियों ने शहीद कंवरपाल सिंह चौहान के स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विधायक ललित यादव ने कहा कि शहीद कंवरपाल सिंह चौहान की माता कमला देवी एवं पिता हीरा सिंह चौहान को सच्चे शब्दों से शुक्रगुजार करता हूं जिन्होंने ऐसे अमर शहीद को जन्म दिया। उनकी वीरांगना राधा देवी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं जिन्होंने देश की सेवा में अपने पति को भेजकर देश की सेवा में बलिदान न्योछावर कर दिया। इस अवसर पर शहीद के पुत्र मनमोहन सिंह, पुत्री कंचन कंवर व नेहा कंवर, नरेंद्र चौहान सृष्टि इंटीरियर फर्नीचर नीमराना, नरेश चौहान निदेशक जेएनवी स्कूल, सीताराम यादव, जयवीर चौहान, सुनील यादव सासेड़ी, कैप्टन देवेंद्र चौहान, महावीर पंच, राकेश चौहान, दीनदयाल उप सरपंच सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शहीद कंवरपाल सिंह चौहान जीवन परिचय

शहीद कंवरपाल सिंह चौहान का जन्म 1 जुलाई 1980 को अलवर जिले के कुतीना गांव में माता कमला देवी एवं पिता हीरा सिंह चौहान के घर हुआ। उन्होंने दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद 18 जुलाई 2000 को सेना में ट्रेनिंग प्राप्त कर 14 ग्रेनेडियर में कार्यरत हुए।

जिले में शांति व सुरक्षा बनाए रखने के लिए फतेहाबाद पुलिस की सतर्क पहल

संवेदनशील क्षेत्रों व सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ाई गई पुलिस की सक्रिय मौजूदगी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में फतेहाबाद पुलिस द्वारा जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से विशेष निगरानी एवं पैदल गश्त अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख मार्गों, भीड़भाड़ वाले इलाकों तथा चिन्हित संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। पुलिस की सक्रिय और सतर्क उपस्थिति से न केवल संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई, बल्कि आम नागरिकों में भी सुरक्षा की भावना को और मजबूत किया गया। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों व

कर्मचारियों ने स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित कर क्षेत्रीय परिस्थितियों की जानकारी ली तथा उन्हें किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही नागरिकों को नशा, साइबर अपराध और अन्य सामाजिक अपराधों से सतर्क रहने के प्रति भी जागरूक किया गया।

सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में उपलब्ध पुलिस बल को प्रभावी ढंग से तैनात कर गश्त को अंजाम दिया गया, जिससे पूरे जिले में पुलिस की सशक्त निगरानी सुनिश्चित की जा सके। यह पहल विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर केंद्रित रही, जहां पूर्व में शिकायतें या सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलता सामने आई थी। फतेहाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि जिले में शांति, सौहार्द और सुरक्षित माहौल बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार की रणनीतिक पुलिस गतिविधियां जारी रहेंगी, ताकि कानून-व्यवस्था कायम रहे और आमजन निश्चिंत होकर अपने दैनिक कार्य कर सके।

बुहाना में सूने घर से नकदी चोरी, 1 लाख 15 हजार रुपये गायब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

बुहाना थाना क्षेत्र में सूने घर को निशाना बनाकर चोरी का मामला सामने आया है। कलवा रोड़ स्थित जोशियों का मोहल्ला निवासी मधुसूदन शर्मा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह पत्नी सहित ससुराल गए हुए थे।पीड़ित के अनुसार, घर लौटने पर कमरे की अलमारी से 1 लाख 15 हजार रुपये की नगद राशि गायब मिली। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर भी चोरों का कोई सुराग नहीं लग पाया। पीड़ित ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच कर चोरी का जल्द खुलासा करने की मांग की है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नांगल सुमेर सिंह में बंदरों का तांडव: छत से उतरते वक्त हमला, अंजू सैनी का पैर टूटा, प्रशासनिक चुप्पी पर उठे गंभीर सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र के नांगल सुमेर सिंह गांव में बंदरों का बढ़ता आतंक अब ग्रामीणों की दिनचर्या और सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। शुक्रवार को उत्पाती बंदरों के झुंड ने गांव की ही अंजू सैनी पुत्री लालाराम सैनी पर उस समय हमला कर दिया, जब वह छत पर कपड़े सुखाने के बाद नीचे उतर रही थीं। अचानक हुए हमले से अंजू सैनी घबरा गईं और संतुलन बिगड़ने से सीढ़ियों से नीचे गिर पड़ीं, जिससे उसके पैर में गंभीर फ्रैक्चर हो गया। परिजनों के

अनुसार घायल अवस्था में उसे तुरंत उपचार के लिए ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने फ्रैक्चर की पुष्टि की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना कोई अपवाद नहीं, बल्कि लंबे समय से चले आ रहे खतरे की एक और कड़ी है। बीते कुछ समय में गांव और आसपास के इलाकों में बंदरों द्वारा दस से अधिक लोगों पर हमले हो चुके हैं। स्थानीय ग्रामीण प्रीतमचंद सैनी ने बताया कि दिनदहाड़े घरों की छतों, गलियों और आंगनों में घूमते बंदर अचानक हमला कर देते हैं, जिससे महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा असुरक्षित हो गए हैं। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि लोग अपने ही घरों में डर के साये में रहने को मजबूर हैं और सामान्य घरेलू कामकाज भी जोखिम बनता जा रहा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद जिम्मेदार विभागों और स्थानीय प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस और प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतें और मौखिक सूचनाएं देने के बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं, मानो किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार किया जा रहा हो। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक संवेदनहीनता को उजागर करती है, बल्कि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के दायित्व पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों ने मांग की है कि क्षेत्र में तत्काल बंदर पकड़ अभियान चलाया जाए, वैज्ञानिक पद्धति से बंदरों को अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी एवं ठोस योजना लागू की जाए। नांगल सुमेर सिंह की यह घटना एक बड़ी चेतावनी है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो अगली खबर किसी के घायल होने की नहीं, बल्कि इससे भी कहीं बड़े और अपूरणीय नुकसान की हो सकती है।

ऑपरेशन जीवन ज्योति : थाना शहर टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई – नशा तस्करी का मुख्य सप्लायर काबू

पहले काबू किए गए आरोपी से बरामदगी व पूछताछ के आधार पर सप्लाई चेन का भंडाफोड़

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के एक मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए पहले एक आरोपी को काबू किया था। उक्त आरोपी से की गई पूछताछ के आधार पर अब मामले के मुख्य सप्लायर को भी काबू कर लिया गया है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा नशा सर्च अभियान के दौरान बाबा बुटा बस्ती, टोहाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए महक पुत्र सतपाल सिंह, निवासी बाबा बुटा बस्ती, टोहाना को काबू किया गया था। तलाशी के दौरान आरोपी के

कब्जे से 301 ग्राम गांजा तथा ठेका देशी शराब की 14 बोतलें बरामद की गई थीं। बरामदगी के आधार पर थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 191 दिनांक 20.05.2025, धारा 20(बी)/61/85 एनडीपीएस एक्ट एवं 61-4-2020 आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। प्रारंभिक जांच एवं काबू किए गए आरोपी से की गई गहन पूछताछ के दौरान सामने आया कि नशीले पदार्थों की सप्लाई एक अन्य व्यक्ति द्वारा की जा रही थी। इसी कड़ी में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भीम बोत उर्फ तोता, पुत्र मिनू बोत, निवासी वार्ड नंबर 2, बाबा बुटा बस्ती, टोहाना,3जनवरी /विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)जिला फतेहाबाद को काबू किया, जो इस मामले में मुख्य सप्लायर के रूप में सामने आया है। पुलिस द्वारा काबू किए गए आरोपी से नशीले पदार्थों की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क, स्रोत एवं संभावित खरीदारों को लेकर पूछताछ जारी है। मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। काबू किए गए आरोपी को नियमानुसार माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस द्वारा नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है।

थाना जाखल पुलिस की कार्रवाई : दो आरोपी तांबे की चोरी के मामले में काबू

कब्जे से 15 किलोग्राम तांबे की तार और एक बाइक बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना/जाखल।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना जाखल पुलिस ने चोरी के माल के मामले में दो आरोपियों को काबू किया है। गिरफ्तार आरोपियों में राज सिंह, पुत्र हाकम सिंह, निवासी बलरा, जिला मनसा, पंजाब, और जगदीप उर्फ दीपक, पुत्र भिखुराम, निवासी कालोनियाँ मूनक, पंजाब शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों से 15 किलोग्राम तांबे की तार और एक बाइक भी

बरामद की है। आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि बरेटा (पंजाब) साइड से दो युवक चोरी का माल लेकर जाखल में किसी कबाड़ी को बेचने आएंगे। सूचना के आधार पर रेडिंग पार्टी तैयार की गई और कड़ैल चौक जाखल से थोड़ी दूरी पर नाकाबंदी की गई। कुछ समय बाद संदिग्ध मोटरसाइकिल पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस की नाकाबंदी देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन वाहन रुक गया। उन्हें रोककर नाम-पता पूछा गया। मोटरसाइकिल चालक ने अपना नाम राज सिंह और पीछे बैठे व्यक्ति ने जगदीप उर्फ दीपक बताया। मोटरसाइकिल पर रखे कट्टे/प्लास्टिक की जांच की गई, जिसमें चोरी किए गए तांबे की तार बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने बरेटा (पंजाब) क्षेत्र के किसानों के खेतों से ट्यूबवेल की तार चोरी की थी और इसे कबाड़ी को बेचने लाए थे। इस संबंध में थाना जाखल में अभियोग संख्या 02 दिनांक 02.01.2026, धारा 303, 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपियों और बरामद माल को उचित प्रक्रिया के अनुसार कब्जे में लिया गया है।

शीतलहर व ठंड से बचाव के लिए सावधानी बरतें नागरिक: डीसी

डीसी अभिषेक मीणा का चालकों से आह्वान, घने कोहरे में सावधानी से चलाए वाहन

हरियाणा सरकार ने ठंड और शीतलहर से बचाव के लिए कर रखी है एडवाइजरी जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । हरियाणा सरकार ने आमजन सहित पशुओं को सर्दी व शीतलहर से बचाव को लेकर विशेष एडवाइजरी जारी की हुई है। डीसी अभिषेक मीणा ने नागरिकों से शीतलहर व सर्दी से बचाव के लिए एडवाइजरी की पूर्ण रूप से पालना करते हुए सावधानी बरतने की अपील की है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि आमजन सावधानी बरतकर सर्दी से अपना व अपने पशुओं का बचाव कर सकते हैं। सर्दी से बचाव के लिए आमजन अपने पास पर्याप्त कपड़ों का स्टॉक करें। घर में ठंडी हवा का प्रवेश रोकने के लिए दरवाजों तथा खिड़कियों को ठीक से बंद रखें। जितना संभव हो सके घर के अंदर रहें और ठंडी हवा, बारिश, बर्फ के संपर्क में आने से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। गर्म कपड़े पहनें ताकि ठंड बिल्कुल न लगे। खुद को सूखा रखें और पानी में भीगने से बचें। शरीर की गरमाहट बनाए रखने के लिए अपने सिर, गर्दन, हाथ और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से ढककर रखें। गीले कपड़े तुरंत बदलें। हाथों में दस्ताने रखें। फेफड़ों को बचाने के लिए मास्क का प्रयोग करें। डीसी ने बताया कि सिर पर टोपी या मफलर पहने, स्वास्थ्य वर्धक भोजन लें। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन

सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं। गर्म तरल पदार्थ नियमित रूप से पीएं, इससे ठंड से लड़ने के लिए शरीर की गर्मी बनी रहेगी। शराब का सेवन न करें, यह शरीर के तापमान को कम करता है। बुजुर्ग लोगों, नवजात शिशुओं तथा बच्चों का विशेष ध्यान रखें। जरूरत के अनुसार ही रूम हीटर का प्रयोग करें तथा रूम हीटर के प्रयोग के दौरान पर्याप्त हवा निकासी का प्रबंध रखें। उन्होंने कहा कि शीत-घात से बचने के लिए मौसम पूर्वानुमान के लिए रेडियो/टीवी/समाचार पत्र जैसे सभी मीडिया प्रकाशन का ध्यान रखें ताकि यह पता चल सके कि आगामी दिनों में शीतलहर की संभावना है या नहीं। उन्होंने हिदायत देते हुए कहा कि बंद कमरों में कोयले को जलाना खतरनाक हो सकता है। डीसी ने बताया कि शीतलहर के दौरान पशुओं और पशुधन को जीवन यापन के लिए अधिक भोजन की आवश्यकता होती है क्योंकि ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ जाती है। रात के समय पशुओं के आवास को सभी तरफ से ढक दें ताकि ठंडी हवाओं के सीधे संपर्क में आने से बचा जा सके। शीत लहर के दौरान जानवरों को खुले क्षेत्र में न छोड़ें। जानवरों को ठंडा चारा और ठंडा पानी देने से बचें। पशु आश्रय में नमी और धुएं को नहीं रहने दें। वहीं आपातकालीन स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 112 पर फोन कर सहायता लें।

कोहरे में ओवरटेक करने से बचें

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि सर्दी के मौसम में घने कोहरे के दौरान विशेषकर सुबह और रात के समय कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम हो जाती है। ऐसे में वाहन चालकों को सीमित गति में, अपनी निर्धारित लेन में रहकर और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करते हुए वाहन चलाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके और नागरिक सुरक्षित यात्रा कर सकें। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की है कि वे धुंध के मौसम में गलत दिशा में वाहन न चलाएं और धुंध के समय जहां तक संभव हो ओवरटेक करने से बचें। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक नियमों का पालन कर ही हम अपने और दूसरों के सफर को सुरक्षित बना सकते हैं। उन्होंने वाहन चालकों से जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की अपील की है।

शरीर का तापमान कम होने पर उठाएं ये कदम

डीसी ने बताया कि हाइपोथर्मिया यानी शरीर का तापमान कम होने पर व्यक्ति को ग्राम स्थान पर ले जाएं और कपड़े बदलें। व्यक्ति के शरीर को त्वचा से त्वचा संपर्क, सूखे कंबल, कपड़े, तौलिये या चादरों से गर्म करें। शरीर के तापमान को बढ़ाने के लिए गर्म पेय दें। यदि स्थिति बिगड़ती है तो तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करें।

अनाधिकृत रूप से रह रहे रोहिंग्या व बंगलादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए चलाया विशेष सर्च अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । अनाधिकृत रूप से रह रहे रोहिंग्या व बंगलादेशी नागरिको का पता लगाने के लिए शनिवार को रेवाड़ी के थाना खोल व रामपुरा क्षेत्र में विशेष सर्च अभियान चलाया गया। स्थानीय पुलिस व स्क्वड टीम द्वारा जिला पुलिस द्वारा ईट भट्ठों सहित विभिन्न स्थानों पर झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य संदिग्ध स्थानों पर विशेष सर्च अभियान चलाकर अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशी, विदेशी नागरिक, रोहिंग्या व संदिग्ध लोगों की जांच की गई। इस दौरान पुलिस टीम ने वहा पर रह रहे बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली तथा उनके पहचान पत्र भी जांचे। अभियान के तहत पुलिस ने बाहरी लोगों की पहचान सुनिश्चित की तथा संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की। इसके साथ ही पुलिस ने वाहनों के कागजातों की भी जांच की। पुलिस अधीक्षक रेवाड़ी

हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। जिला पुलिस द्वारा बाहरी लोगों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है और आगे भी इस तरह का अभियान लगातार जारी रहेगा। जिले में जो भी लोग बाहर से आकर रह रहे हैं उनकी पहचान सुनिश्चित होना अत्यंत आवश्यक है। सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम उठाए जा रहे हैं। सभी थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्र में सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार अप्रवासी रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करके उनको वापिस भेजने की प्रक्रिया अमल में लाई जावे।

पुलिस अधीक्षक की रेवाड़ी वासियो से अपील:-

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने सभी जिला वासियों से अपील करते हुए कहा है कि सभी अपने पास काम करने वाले या किराए पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवा लें, हो सकता है कोई अपराधी या क्रिमिनल हो। अगर भविष्य में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता तो उसके खिलाफ भी पुलिस द्वारा कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मोबाइल वैन के माध्यम से बाल विवाह तथा नशा मुक्ति बारे किया जाएगा जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के सदस्य सचिव जगदीप सिंह के निर्देशानुसार एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी सचिव अमित वर्मा के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला रेवाड़ी के एडीआर

सेंटर से एक मोबाइल वैन को आम जनता को बाल विवाह तथा नशा मुक्ति एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए रवाना किया गया। मोबाइल वैन जनवरी माह में जिला रेवाड़ी के विभिन्न गांवों में जाकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्ता एवं पैरा लीगल वॉलिंटियर आमजन को जागरूक करेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com